www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 09 || लखनऊ
गुरुवार
09 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:47
सूर्यास्तः 06:27
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 18°00

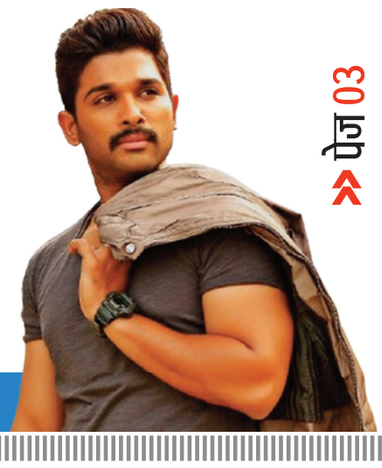

» पेज 03

विशेष समाचार | चलो दिलदार चलो चाँद के पार चलो... » पेज 02 | वैज्ञानिकों के शोध और नवाचार से ... » पेज 04 | 44 के हुए अल्लू अर्जुन...

मौसम की मार : वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से खेती प्रभावित, राहत के निर्देश

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से बढ़ी किसानों की परेशानी : योगी

"योगी ने कहा- सरकार ने आज कृषि,खेती और किसान को एजेंडे का हिस्सा बनाया है। आज हमने गन्ना उत्पादक किसानों को, जिस उत्तर प्रदेश में दस-दस वर्षों तक गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं हुआ था, चीनी मिलें बंद हो रही थीं, बेंची जा रही थीं, उसी उत्तरप्रदेश में आज वो शुगर कॉम्प्लेक्स के रूप में काम कर रही हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस-2026 का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उन्होंने वैज्ञानिकों से बातचीत का एक किस्सा सुनाया। सीएम ने बताया- हाल ही में मैं कृषि मौसम वैज्ञानिकों से बात कर रहा था कि खेती के समय अचानक मौसम क्यों बिगड़ गया। उन्होंने बताया- इसके पीछे की वजह वेस्टर्न डिस्टर्बेंस है। ईरान और पाकिस्तान में जो बवंडर उठा है, हमारे यहां के मौसम बिगड़ने का कारण है।

सरकारी खरीद केंद्र नहीं चलते थे, बिचौलिए हावी थे

योगी ने कहा- सरकारी खरीद केंद्र नहीं चलते थे, बिचौलियों के माध्यम से सब खरीदा जाता था। परिणाम क्या होता था? अन्नदाता कर्ज के रूप में बोझ से दबता था। वह आत्महत्या करने के लिए मजबूर होता था। 2017 के बाद हम लोगों ने कार्य जो प्रारंभ किया, आज हमारे पास इसके लिए स्पष्ट नीति है। यूपी में पिछले 15 दिनों से बेमौसम बारिश की मार किसान झेलने को मजबूर हैं। बारिश और ओले की वजह से किसानों की हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। बारिश और ओलों की वजह से गेहूं, सरसों, दलहन आदि फसलों को काफी नुकसान हुआ है। सीएम योगी ने बीते दिनों रिव्यू मीटिंग कर जल्द से जल्द सर्वे कर मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

- सीएम ने बताया- हाल ही में मैं कृषि मौसम वैज्ञानिकों से बात कर रहा था कि खेती के समय अचानक मौसम क्यों बिगड़ गया।
- सीएम योगी ने कहा कि भारत की कुल आबादी का लगभग 16-17 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश में निवास करता है, जबकि देश की कुल कृषि योग्य भूमि का 11 प्रतिशत हिस्सा प्रदेश के पास है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'उत्तर प्रदेश कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना 2025-26' के अंतर्गत 15 वैज्ञानिकों का सम्मान भी किया। वहीं, वर्ष 2025 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान अकादमी के 30 वैज्ञानिकों को भी सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक एवं नवाचार पर विचार-विमर्श भी हुआ। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कई पुस्तिकों का विमोचन भी किया।

अन्नदाता केवल चुनावी मुद्दा था

सीएम ने कहा- अन्नदाताओं के लिए सरकार की कोई नीति नहीं थी। अन्नदाता उस समय केवल एक चुनावी मुद्दा होता था। किसानों को जाति के नाम पर बांटते थे। तमाम प्रकार के विवादों में बांटते थे। खेती में लागत अधिक थी, उत्पादन कम होता था और जो उत्पादन भी करता था, उसमें बिचौलिए हावी थे। मुख्यमंत्री ने कहा- 2017 के पहले की चुनौती क्या थी? पब्लिक और किसान के मन में एक अविश्वास था।

2017 के पहले पब्लिक और किसान के मन में एक अविश्वास था

मुख्यमंत्री ने कहा- 2017 के पहले की चुनौती क्या थी? पब्लिक और किसान के मन में एक अविश्वास था। उसको सरकार पर कोई फेथ नहीं थी, उसका कोई विश्वास नहीं था, क्योंकि उसे मालूम था ये लोग जो बोल रहे हैं इनको खेती किसानी से कोई मतलब है नहीं, किसान आत्महत्या करता था, पलायन करता था, अलग-अलग प्रकार से वह प्रताड़ित होता था। यूपी में जो 122 चीनी मिलें चल रही हैं, उनमें से 106-107 चीनी मिल ऐसी हैं जो छठे-सातवें दिन गन्ना मूल्य का भुगतान कर दे रही हैं, यानी गन्ना मूल्य के भुगतान में लेट नहीं, ये सब कुछ आपस में जुड़ा है, लोग नई-नई चीनी मिल लगाने के लिए आगे आ रहे हैं।

आक्रांताओं ने खेती पर ही नहीं, बल्कि उद्यमिता पर हमला किया था

सीएम योगी ने कहा- जब भारत का दुनिया की अर्थव्यवस्था में 44-45 फीसदी अधिकार था, तब उसका आधार भारत की कृषि थी। अन्नदाता किसान और कारीगर इसका आधार थे। किसान सिर्फ खेती तक सीमित नही थे, वह कारीगर भी थे, दोनों काम मिलकर होते थे। किसान उत्पादक था और जब कारीगर बनकर कार्य करता था, तो उद्यमी के रूप में भी खुद को स्थापित करता था। उत्पादक से उद्यमी से बनने की गाथा है- वैदिक काल से भारत में विशेषकर उत्तर प्रदेश की माटी से जुड़ी रही है। आक्रांताओं ने खेती पर ही हमला नहीं किया था, यहां की उद्यमिता पर भी हमला किया। यहां जितने कृषि वैज्ञानिक, शोधार्थी हैं उन्होंने भारत के राष्ट्रगीत वंदेमातरम की गाथा को सुना होगा। यह भारत के आनंदमठ पर आधारित उपन्यास का एक पार्ट है। यह बंगाल की त्रासदी पर आधारित गीत है।

पहले चीनी मिलें बंद हो रही थीं, बेची जा रही थीं

उत्तर प्रदेश देश के कुल 55 फीसदी गन्ने का उत्पादन कर रहा है। एथेनॉल उत्पादन 41 करोड़ लीटर से बढ़कर लगभग पौने 2 लाख करोड़ लीटर तक पहुंच चुका है। हमने गन्ना किसानों को ही लगभग 2 लाख 90 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से दे चुके हैं।

तेहरान के पास नहीं था कोई ऑप्शन : पीट हेगसेथ

सीजफायर के लिए भीख मांग रहा था ईरान

कूटनीति

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दावा किया कि ईरान की लीडरशिप सीजफायर के लिए भीख मांग रही थी, क्योंकि उसके पास कोई रास्ता नहीं बचा था। उन्होंने कहा कि अब किसी भी हालत में ईरान को परमाणु बम बनाने नहीं दिया जाएगा। हेगसेथ ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट खुला है और जहाज वहां से गुजरते रहेंगे। अमेरिका और ईरान की सेनाएं इस इलाके पर नजर रखे हुए हैं। ट्रम्प के पास इतनी ताकत थी कि वो चाहें तो कुछ ही मिनटों में ईरान की पूरी अर्थव्यवस्था ठप कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर कोई देश ईरान को हथियार देगा, तो उस पर 50% टैरिफ लगाया जाएगा। यह फैसला तुरंत लागू होगा और इसमें कोई छूट नहीं होगी। अमेरिका और ईरान के बीच करीब 40 दिन बाद 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बनी है।

» (शेष पेज 04 पर)

- सीजफायर के ऐलान के बाद ईरान की राजधानी तेहरान में जश्न मनाया गया।
- ईरानी नागरिकों ने तेहरान में इजराइल और अमेरिका के झंडे जलाकर सीजफायर का जश्न मनाया।

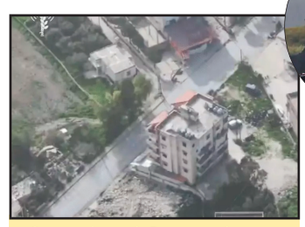

ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान भेजा

ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान भेजा है। उन्होंने कहा कि इस पर आगे बातचीत की जा सकती है। वहीं ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने दावा किया है कि अमेरिका ने उसका 10 पॉइंट प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। काउंसिल के मुताबिक यह समझौता ईरान की शर्तों पर हुआ है और इसे देश की जीत बताया है।

पोप बोले- ईरान जंग में सीजफायर उम्मीद की असली किरण

पोप ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए सीजफायर को उम्मीद की असली किरण बताया। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म करने का एकमात्र रास्ता बातचीत है और सभी पक्षों को फिर से वार्ता शुरू करनी चाहिए।

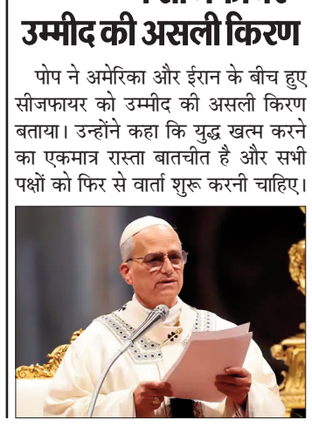

फास्ट न्यूज

आरजी कर रेप-मर्डर पीड़िता की मां से बदसलूकी

तिरुवनंतपुरम/गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई। पश्चिम बंगाल की पानीहाटी सीट से बीजेपी उम्मीदवार रत्ना देबनाथ ने बुधवार को अपने साथ बदसलूकी का आरोप लगाया। रत्ना आरजी कर मेडिकल कॉलेज रेप-मर्डर केस की पीड़िता की मां हैं। उन्होंने कहा कि प्रचार के दौरान TMC के गुंडों ने मुझे मारने की कोशिश की। मुझे ज्यादा चोट नहीं आई, लेकिन मेरे साथ आए कार्यकर्ता घायल हुए हैं।

बीजेपी नेताओं के ट्रैक्टर ने वन रक्षक को कुचला

मुरैना। मुरैना में रेत का अवैध परिवहन कर रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली ड्राइवर ने वन रक्षक को कुचल दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात दिमनी थाना इलाके में रानपुर गांव चौराहे के पास बुधवार सुबह करीब 6 बजे की है। पुलिस ने बताया कि वन विभाग की 6 सदस्यीय टीम रूटीन गश्त पर निकली थी। इसी दौरान सामने से रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली आती दिखी। टीम ने रुकने का इशारा किया तो ड्राइवर विनोद कोरी ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भागने की कोशिश की। वन रक्षक हरकेश गुर्जर रोकने के लिए आगे बढ़े तो विनोद ने उनको कुचल दिया। फिर ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भाग निकला। पास ही बने पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरे में आरोपी विनोद कोरी की तस्वीरें कैद हुई हैं।

11 साल बाद जेल से बाहर आएगा रामपाल

चंडीगढ़। सतलोक आश्रम के प्रमुख रामपाल को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) मामले में रामपाल को जमानत दी है। इसके साथ ही करीब 11 साल 5 महीने बाद रामपाल का जेल से बाहर आने का रास्ता लगभग साफ हो गया। हाईकोर्ट हत्या के 2 मामलों में पहले ही जमानत दे चुका है।

मेरठ-सहारनपुर में जमकर ओले गिरे, सफेद चादर बिछी

प्रयागराज में पीपा पुल बह गया, यूपी के 30 शहरों में आंधी-बारिश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में बारिश-आंधी का सिलसिला जारी है। बुधवार सुबह से लखनऊ, गोंडा, गोरखपुर, जौनपुर और अलीगढ़ समेत 25 जिलों में तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हो रही है। मेरठ, बरेली, शाहजहांपुर और लखीमपुर में दोपहर बाद ओले गिरे। शाम 5 बजे के बाद हरदोई, सहारनपुर में भी ओले गिरने से सड़क-खेतों में सफेद चादर बिछ गई। प्रयागराज के मेजा में गंगा फेरी घाट पर बना पांटून (पीपा) पुल पानी के तेज बहाव में बह गया। बाराबंकी में चलती रोडवेज बस पर पेड़ गिर गया। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई। मुजफ्फरनगर में 20 फीट सड़क धंस गई। ग्रामीण इलाकों में कई जगह खेतों में कटी पड़ी गेहूं की फसल डूब गई। मौसम विभाग ने आज 47 जिलों में बारिश और 9 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60 किमी की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। योगी ने किसानों के नुकसान को लेकर अफसरों को 24 घंटे में सर्वे के निर्देश दिए हैं। साथ ही मुआवजा दिलाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि सरकार अन्नदाताओं के साथ खड़ी है। किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, मंगलवार की बात करें तो आगरा, मथुरा समेत 15 जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। कानपुर-झांसी में कई पेड़ और पोल उखड़ गए।

एक दिन पहले असम पुलिस ने दिल्ली आवास पर छापेमारी की, कहा - हिमंता ने मुझ पर पुलिस छोड़ी

पवन खेड़ा ने तेलंगाना एचसी में अग्रिम जमानत अर्जी दी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को तेलंगाना हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दी है। असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी ने उनके खिलाफ FIR करवाई है। दरअसल खेड़ा ने 5 अप्रैल को हिमंता की पत्नी पर फर्जी पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था। इसके दो दिन बाद मंगलवार को असम पुलिस ने दिल्ली में पवन खेड़ा के घर छापा मारा। हालांकि उस वक्त पवन हैदराबाद में थे। पुलिस उनके घर से कुछ दस्तावेज ले गई। पवन ने छापेमारी पर एक वीडियो जारी किया और कहा- असम पुलिस के100 पुलिसकर्मी उनके घर में घुस गए। पुलिस उनके घर से बहन की फोटो ले गई। इसके अलावा लैपटॉप और आईपैड भी जब्त किए गए असम मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वह उन पर पुलिस छोड़कर डराने की कोशिश कर रहे हैं। बुधवार को जारी वीडियो में खेड़ा ने फिर से कहा की मेरे सारे दावे सही हैं। 'स्टेट ऑफ वयोमिंग' और 'यूनाइटेड किंगडम' की सरकारी वेबसाइटों के मुताबिक नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट (NDA) खत्म होने के बाद रिनिकी भुयान शर्मा का नाम 'मैनेजर' और 'ऑथोराइज्ड मेंबर' के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि उस वेबसाइट पर मौजूद स्क्रीनशॉट के मुताबिक, निनिकी की राष्ट्रीयता 'एंटीगुआ एंड बारबुडा' है और उन्होंने निवेश के माध्यम से नागरिकता प्राप्त की है।

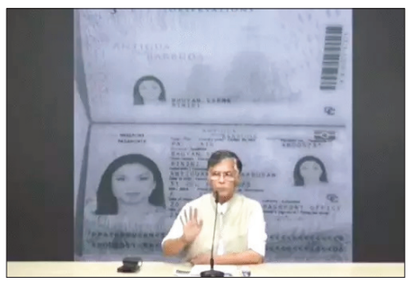

6 अप्रैल : हिमंता बोले- हमने प्रापर्टी के असली मालिक का पता लगाया

हिमंता ने सोमवार को दुबई में फ्लैट होने के आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा कि हमने उन दो दुबई अपार्टमेंट के असली मालिकों का पता लगा लिया है, जिनका जिक्र कांग्रेस ने किया है। ये फ्लैट मोहम्मद अहमद और फातिमा सुलेमान के हैं। कांग्रेस ने ये दस्तावेज एक वेबसाइट Scribd से चुराए थे। हमने इस तरह इनका पता लगाया है। आप भी फोन पर देख सकते हैं। इससे पहले पांच अप्रैल को हिमंता ने पवन खेड़ा की कॉन्फ्रेंस के कुछ देर बाद ही X पर पर पोस्ट किया था।

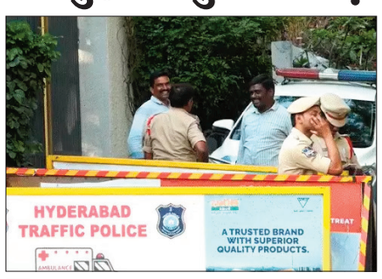

हैदराबाद में पवन खेड़ा जहां रुके हैं उस घर के बाहर पुलिस तैनात है।

5 अप्रैल- खेड़ा के 2 आरोप, पूछा- 52 हजार करोड़, तीन पासपोर्ट कहां से आए

असम सीएम की पत्नी के पास तीन देशों मिस्र, एंटीगुआ-बरबूडा और UAE के पासपोर्ट हैं। पवन खेड़ा ने कॉन्फ्रेंस में तीन पासपोर्ट भी दिखाए। उन्होंने कहा कि सरमा की राजनीति मुसलमानों के खिलाफ नफरत पर आधारित है, जबकि उनकी पत्नी के पास दो मुस्लिम देशों के पासपोर्ट हैं। उन्होंने आगे कहा ही हिमंता की पत्नी 52 हजार करोड़ रुपए की अमेरिकी कंपनी की भी मालिक हैं।

खरीद : चीन जा रहा था, बीच रास्ते से लौटा, इसी हफ्ते पूर्वी तट पर पहुंचेगा

ईरान से 7 साल बाद कच्चा तेल खरीद रहा भारत

तमसा संकेत, एजेंसी

तेहरान/नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच भारत ने 7 साल बाद ईरान से तेल खरीदना फिर शुरू किया है। शिपिंग डेटा के मुताबिक, 'जया' नाम का टैंकर ईरानी क्रूड लेकर भारत के पूर्वी तट की ओर आ रहा है। यह टैंकर पहले गुजरात के वाडिनार पोर्ट की ओर आ रहा था। इसमें करीब 6 लाख बैरल कच्चा तेल लदा था। लेकिन फिर यह चीन की तरफ मुड़ गया। तब बताया गया था कि पेमेंट दिक्कत की वजह से यह भारत न आकर चीन जा रहा है। तेल मंत्रालय ने उन रिपोर्ट्स को गलत बताया था। हालांकि अब यह फिर भारत की तरफ मुड़ गया है। फिलहाल इसकी लोकेशन मलेशिया के नजदीक है। माना जा रहा है कि इस सप्ताह के आखिर में यह भारत के पूर्वी तट पर पहुंच जाएगा। 2018 तक भारत ईरान से बड़ी मात्रा में सस्ता तेल खरीदता था। उस समय भारत रोजाना करीब 5.18 लाख बैरल ईरानी तेल आयात करता था, जो कुल आयात का लगभग 11.5% था। लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत ने ईरान से तेल खरीदना बंद कर दिया और अन्य देशों से सप्लाई बढ़ा दी। हाल ही में अमेरिका ने 30 दिन की सीमित छूट दी है, जिसके तहत समुद्र में ईरानी तेल खरीदने की अनुमति है।

» (शेष पेज 04 पर)

भारत ने रूस से तेल बढ़ाया, ईरान से खरीद फिर शुरू

ईरान से तेल की खरीद फिर शुरू हो रही है, लेकिन यह ऐसे समय हो रहा है जब होर्मुज जैसे अहम समुद्री रास्ते पर तनाव बना हुआ है। भारत का करीब 35 से 50 प्रतिशत कच्चा तेल और ज्यादातर LPG इसी रास्ते से आता है, इसलिए इस स्थिति से देश की ऊर्जा सप्लाई पर दबाव बढ़ गया है।

इसी वजह से भारत ने रूस से भी तेल खरीद बढ़ा दी है।

"इसी बीच जब वैश्विक हालात बिगड़ते हैं जैसे अभी मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण सप्लाई पर दबाव बढ़ा तो अमेरिका कुछ समय के लिए राहत देता है। इसका मकसद यह होता है कि तेल बाजार पूरी तरह असंतुलित न हो और कीमतें बेकाबू न बढ़ें।

'जो भक्त नहीं, वो धार्मिक परंपरा को चुनौती कैसे दे रहा'

सबरीमाला केस में सुप्रीम कोर्ट का केंद्र से सवाल- ऐसी याचिकाओं पर सुनवाई क्यों हो

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार से पूछा कि जो लोग भगवान अयप्पा के भक्त नहीं हैं, वे केरल के सबरीमाला मंदिर की परंपराओं को कैसे चुनौती दे सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे पर 7 सवाल तय किए हैं। इनमें से एक सवाल यह है कि क्या कोई व्यक्ति, जो किसी धार्मिक संप्रदाय या समूह से संबंधित नहीं है, उस 'धार्मिक संप्रदाय या समूह' की किसी प्रथा को जनहित याचिका (PIL) के माध्यम से चुनौती दे सकता है। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि सबरीमाला मामले में याचिकाकर्ता कौन थे। 'मूल याचिकाकर्ता भक्त नहीं थे। किसी भी भक्त ने इस प्रथा को चुनौती देने के लिए अदालत का रुख नहीं किया। मेहता ने जवाब दिया कि मूल याचिकाकर्ता 'इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन' नामक वकीलों का एक संगठन है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- कोई सेक्युलर अदालत किसी धार्मिक प्रथा को सिर्फ अंधविश्वास नहीं कह सकती, क्योंकि उसके पास ऐसा तय करने की विशेषज्ञता नहीं होती।

» (शेष पेज 04 पर)

"न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, "वे भक्त नहीं हैं। लेकिन हमें यह स्पष्ट करना होगा। क्या भगवान अयप्पा का कोई भी भक्त इस परंपरा को चुनौती देते हुए रिट याचिका दायर कर सकता है और यदि कोई गैर-भक्त, जिसका उस मंदिर से कोई संबंध नहीं है, इसे चुनौती देता है, तो क्या यह अदालत ऐसी याचिका पर सुनवाई कर सकती है।

सम्पादकीय

असम चुनाव से पहले घमासान

असम में चुनाव से दो दिन पहले बड़ा हंगामा खड़ा हो गया है। गुरुवार 9 अप्रैल को राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है और उससे पहले मंगलवार को असम पुलिस दिल्ली में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को घर पर गिरफ्तारी के लिए पहुंच गई। उनके घर के आसपास पुलिस ने जिस तरह की घेराबंदी की, उसे देखकर ऐसा लगा मानो किसी कुख्यात अपराधी के घर दबिश दी जा रही है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा ने पवन खेड़ा के लिए जिस भाषा का इस्तेमाल किया, वह भी विचारणीय है। श्री बिस्वासरमा ने कहा कि पवन खेड़ा को मैं पवन पेड़ा बना दूंगा। हम पवन खेड़ा को पाताल से भी ढूंढ कर पकड़ लेंगे। उनका आरोप है कि पवन खेड़ा गिरफ्तारी से बचने के लिए हैदराबाद भाग गए। वहीं कांग्रेस के अध्यक्ष और देश के वयोवृद्ध नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए भी हिमंता बिस्वासरमा ने यही कहा कि उनकी उम्र हो गई है और वो पागल जैसी बात कर रहे हैं। इसके अलावा भाजपा के मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कांग्रेस के लोग सब फालतू हैं, राहुल गांधी पागल है और पवन खेड़ा उनसे भी ज्यादा पागल है। जनता ने हमेशा देखा है कि चुनाव के वक्त विरोधी दल एक-दूसरे पर आरोप लगाते हैं, कई बार मर्यादा लांघकर निजी प्रहार भी होते हैं। लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि इन्हें सहज स्वीकारा जाए। अगर इस प्रवृत्ति पर सवाल नहीं उठाए गए, तो यह अशिष्टता की यह बीमारी पूरी तरह लाइलाज हो जाएगी। हिमंता बिस्वासरमा ने पहली बार राहुल गांधी या कांग्रेस पर हमला नहीं किया है। जब राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा लेकर असम पहुंचे थे, तो उन्हें वहां रोकने की कोशिश हुई थी और कांग्रेसी नहीं रुके तो राहुल गांधी पर मामला भी दर्ज हुआ था। पिछले कई महीनों से हिमंता बिस्वासरमा गौरव गोगोई और उनकी पत्नी पर पाकिस्तान के लिए काम करने के आरोप भी लगाते रहे हैं। जैसा कि हमने पहले कहा कि विरोधी एक दूसरे पर आरोप लगाते रहते हैं और इनका जवाब देने का तरीका यही है कि जिन पर आरोप लगे वे उन्हें खारिज करने के लिए अपने तर्क सामने रखें और जिन्होंने आरोप लगाए, वे उनकी पुष्टि के लिए सबूतों को पेश करें। लेकिन हिमंता बिस्वासरमा तो अपने ऊपर लगे आरोपों पर बात करने की जगह सीधे कार्रवाई पर उतर आए हैं। इसमें भी भाजपा का खेल समझ आ गया है। हिमंता बिस्वासरमा का कहना है कि उनके लोग दिल्ली गए हुए हैं, यानी असम पुलिस को उन्होंने अपने लोग बताया, जबकि आचार संहिता लागू होने के बाद पुलिस-प्रशासन सब चुनाव आयोग के अधीन होता है, तो अब यह भाजपा को बताना होगा कि क्या पवन खेड़ा को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस को दिल्ली भेजने का फैसला उनका था, या फिर यह चुनाव आयोग के निर्देश पर हुआ। इधर इन पंक्तियों के लिखे जाने तक श्री खेड़ा गिरफ्तार तो नहीं हुए हैं, लेकिन असम पुलिस ने उनके घर छापा मारा है, जिसमें घर से एक लैपटॉप, एक फोन, दो पेन ड्राइव और एक हॉगकॉंग डॉलर मिलने की खबर है। कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने इस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं कि जब छापा मारा गया है तो क्या मिला है, उसकी पूरी सूची देनी चाहिए। पेन ड्राइव के अंदर क्या है यह भी बताना चाहिए। क्या भरोसा है कि पुलिस पेन ड्राइव खोलकर इसके अंदर कुछ डाल देगी। जो पुलिस आचार संहिता लगने के पर मुख्यमंत्री की पुलिस बनकर काम कर रही है, उस पर क्या भरोसा..? बिना गवाह के जिस तरह उन्होंने सब कुछ जब्त किया है उस से ही सारे सबूत संदेहास्पद हो जाते हैं.. ये वाकई गंभीर आरोप है और अपनी निष्पक्षता का दावा करने वाले चुनाव आयोग को इस बारे में खुद सफाई पेश करनी चाहिए कि क्या इस पूरी कार्रवाई में उसका हाथ है या फिर खुलकर बदले की राजनीति की जा रही है। दरअसल हिमंता बिस्वासरमा इस समय इसलिए बौखलाए दिख रहे हैं, क्योंकि उन्हें सत्ता हाथ से निकलती हुई दिख रही है। चुनाव के ठीक पहले उन पर भ्रष्टाचार के न केवल बड़े आरोप पवन खेड़ा ने लगाए, बल्कि रविवार 5 अप्रैल को एक प्रेस कांफ्रेंस कर यह बताया कि हिमंता बिस्वासरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास यूएई, मिस्र और एंटीगुआ और बारबुडा के पासपोर्ट हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में दोहरी नागरिकता की अनुमति नहीं है, फिर भी उनके पास तीन पासपोर्ट कैसे हैं? श्री खेड़ा ने यह भी बताया कि रिंकी भुइयां सरमा की दुबई में दो संपत्तियां हैं और अमेरिका के (व्योमिंग) में एक कंपनी है। जिसकी कीमत लगभग 52-53 हजार करोड़ है। उन्होंने कहा कि इन संपत्तियों का जिक्र हिमंता बिस्वासरमा के चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया है। पवन खेड़ा ने यह दावा भी किया कि चुनाव के बाद बिस्वासरमा दंपती देश से भाग जाएंगे। राजनीति पॉडकास्ट इन आरोपों को मुख्यमंत्री बिस्वासरमा और उनकी पत्नी दोनों ने खारिज कर दिया है। इसके साथ ही पवन खेड़ा पर असम में प्राथमिकी भी दर्ज कराई। ऐसा करना उनका संवैधानिक हक है। लेकिन राज्य की सत्ता पर काबिज होने के कारण श्री बिस्वासरमा की यह जिम्मेदारी भी है कि वे इन आरोपों को गलत साबित करने के लिए पुख्ता सबूत पेश करें और बताएं कि पवन खेड़ा ने जो आरोप लगाए हैं, उन पर यकीन क्यों नहीं करना चाहिए। इसकी जगह अगर वे खड़गेजी जैसे वयोवृद्ध नेता के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करेंगे, नेता प्रतिपक्ष के लिए अभद्रता दिखाएंगे और महिलाओं को त्याग कर अपने विरोधियों को चुनौती देंगे तो इससे संदेह और गाढ़ा होगा कि कहीं कुछ गलत है।

चलो दिलदार चलो चाँद के पार चलो

इस बार मिशन का उद्देश्य चंद्रमा पर जाना और झंडा लगाना नहीं है, यह संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बीच वैज्ञानिक वर्चस्व की लड़ाई थी, और यह इस बात पर लड़ी गई थी कि इस पर कौन हावी है, लेकिन अब समय चला गया है, रूस ढह गया है और अमेरिका अब दुनिया का सबसे मजबूत राष्ट्र नहीं है। आर्टेमिस विज्ञान और भू-राजनीतिक संघर्ष में एक अलग युग का प्रतिनिधित्व करता है, और चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका अंतरिक्ष की दौड़ में एकमात्र अग्रणी स्थान के रूप में चंद्रमा के लिए लड़ रहे हैं। आर्टेमिस एक विश्वव्यापी अंतरिक्ष अन्वेषण है।

> अमेरिका के मिशन में यूरोप, कनाडा और जापान के अंतरिक्ष वैज्ञानिक शामिल हैं, जबकि चीन स्वतंत्र है। बेशक चीन का साथी रूस है, आर्टेमिस की सफल वापसी अमेरिका के प्रभुत्व को साबित करती है। यह अंतरिक्ष प्रतियोगिता केवल द्विपक्षीय नहीं है, बल्कि भारत जैसे देशों ने भी अंतरिक्ष वर्चस्व में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया है।

ओरियन अंतरिक्ष यान को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) नामक एक विशाल रॉकेट और कमांडर रीड वाइसमैन के नेतृत्व में एक टीम में पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन विशेषज्ञ क्रिस्टीना कोच और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के जेरेमी हैनसन शामिल थे। क्रिस्टीना कोच के पास पहले से ही सबसे लंबी एकल अंतरिक्ष यात्रा का रिकॉर्ड है, जो चंद्रमा की कक्षा में पहुंचने वाली पहली महिला हैं निश्चित। ये चारों विशेषज्ञ चंद्रमा के 'दूर के भाग' का निरीक्षण करेंगे, यानी पृथ्वी का वह हिस्सा जो पृथ्वी से कभी दिखाई नहीं देता है। यह मिशन न केवल चंद्रमा की कक्षा के लिए बल्कि भविष्य के मंगल मिशनों और चंद्रमा पर एक स्थायी मानव बस्ती की स्थापना के लिए भी एक महत्वपूर्ण आधार होगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य मानव अंतरिक्ष यात्रा की सीमाओं का परीक्षण करना और वास्तविक वातावरण में नई तकनीकों का परीक्षण करना है। आर्टेमिस-2 एक 'क्रूड फ्लाईबाय' मिशन है। इसका मतलब है कि अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की सतह पर नहीं उतरेंगे , बल्कि चंद्रमा के पीछे की ओर एक चौड़े मोड़ के साथ पृथ्वी पर लौटेंगे। 10 दिन की यात्रा के दौरान, ओरियन अंतरिक्ष यान पृथ्वी से लगभग 393,000 किलोमीटर की दूरी तक पहुंचेगा, जो अपोलो 13 मिशन द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ देगा, जो पृथ्वी से 2.3 मिलियन मील की यात्रा करेगा। इस मिशन के पीछे मुख्य कारण यह है कि 2008 में नासा ने

एक चंद्रयान मिशन लॉन्च किया था जिसमें चांद पर पानी के सबूत मिले थे। इसकी पुष्टि के लिए इस अभियान की योजना बनाई गई है। इस अभियान का उद्देश्य बहुत व्यापक है। चंद्रमा पर बर्फ पाई गई थी, और वैज्ञानिकों का अनुमान है कि चंद्रमा पर गड्ढे हैं और क्या इस बर्फ का उपयोग अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के लिए किया जा सकता है? इसके अलावा, क्या रॉकेट लॉन्चर के लिए चंद्रमा पर जीवन रक्षक प्रणालियों के साथ ऑक्सीजन और हाइड्रोजन का उपयोग किया जा सकता है? लेकिन यह स्वीकार करना होगा कि इस मिशन ने एक बार फिर इस अंतरिक्ष प्रभुत्व में अमेरिका के आधिपत्य को साबित कर दिया है। इसने साबित कर दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका अब रूस के साथ नहीं, बल्कि चीन के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है, क्योंकि आर्टेमिस मिशन ने चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व के लिए एक भयंकर लड़ाई और सबसे महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक वर्चस्व के लिए एक नया आयाम दिया है। संभावित जल प्रतिस्पर्धा और संसाधनों के लिए राष्ट्र इसमें उतरे हैं। अमेरिका ने इस दिशा में शुरुआत कर दी है, जबकि चीन 2028-29 में चांद पर उतरेगा। आर्टेमिस का महत्व यह है कि यह साबित करेगा कि किसके पास बेहतर मानव उड़ान क्षमता है, इसलिए संयुक्त राज्य अमेरिका का लक्ष्य अंतरिक्ष में अपना पहला स्थान बनाना और उस पर बने रहना है। आर्टेमिस संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अंतरिक्ष अन्वेषण में अपनी प्रमुखता फिर से हासिल कर सकता है और चीन की उन्नत क्षमताओं में अमेरिका की ताकत का प्रदर्शन कर सकता है। आर्टेमिस दस दिवसीय मिशन है जो एक बार फिर चंद्र अंतरिक्ष में अमेरिका के प्रभुत्व को साबित करेगा। यह चीन को अपने मिशन को तेज करने के लिए भी प्रेरित करेगा। अब चंद्रमा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच एक नई प्रतिस्पर्धा है, और अंतरिक्ष दौड़ का भाग्य इस बात से तय होगा कि उस पर कौन हावी है। 1961 में, यूरी गगारिन पहले अंतरिक्ष यात्री बने, उसके बाद अमेरिकी चंद्र मिशन और फिर आर्टेमिस मिशन। बहरहाल नासा का प्रदर्शन मानव जाति के लिए एक खुशी की बात है जो एक ओर एक तर्कहीन प्रतीत होने वाले समाज की वास्तविकता में फंस गया है जो एक ओर अपनी बुद्धि को किसी क्षुद्र बाबापु के चरणों में गिरवी रखता है, और दूसरी ओर, धर्म/जाति की कृत्रिम सीमाओं में विभाजित एक हास्यास्पद रूप से नासमझ समाज। आर्टेमिस का रिकॉर्ड पृथ्वी से इतनी लंबी दूरी की यात्रा कभी कोई नहीं कर पाया है। उस सीमा को भी आर्टेमिस ने पार कर लिया था। मानव क्षमता की सीमाओं को पार करना कुछ ऐसा है जो केवल एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही कर सकता है। इस देश की महानता इस तथ्य में निहित है कि संयुक्त राज्य अमेरिका डोनाल्ड ट्रम्प जैसे विचित्र राष्ट्रपति के साथ भी इस दृष्टिकोण और इसके महत्व को बनाए रख सकता है। उस वैज्ञानिक भावना को सलाम करना और 'आर्टेमिस-2' मिशन का जश्न मनाना वांछनीय है। आर्टेमिस, ग्रीक पौराणिक कथाओं में प्रकाश के देवता अपोलो की बहन है। ग्रीक पौराणिक कथाओं में, माउंट ओलंपस पर रहने वाले 12 मुख्य ओलंपियन पूजनीय हैं। आर्टेमिस उनमें से एक है। महिलाओं की स्वतंत्रता पर जोर देने के बावजूद, आर्टेमिस को चंद्रमा के करीब माना जाता है। आइंस्टीन से लेकर पंडित नेहरू तक, बुद्धिजीवियों, शोधकर्ताओं और लेखकों के बीच कविता का प्रेम हमेशा से ही आकर्षक रहा है। स्पिनोजा को काव्यात्मक श्रद्धांजलि देने वाले आइंस्टीन और हिंदी कवि निराला से लेकर रॉबर्ट फ्रॉस्ट तक की कई कविताओं को याद करने वाले पंडित नेहरू ने वैज्ञानिकों की काव्यात्मक प्रतिभा और

पहले चंद्र मिशन को आगे बढ़ाने वाले अंतरिक्ष यान के नाम 'आर्टेमिस' का प्रतीक था।'पृथ्वी का लव सॉन्ग' गाते हुए वह माहेरा के रास्ते पर जाएंगे। पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश करने और प्रशांत महासागर में सुरक्षित रूप से उतरने के बाद, चार आर्टेमिस अंतरिक्ष यात्रियों - रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन के चेहरों को वह हासिल करने की संतुष्टि होगी जो किसी भी नश्वर इंसान ने कभी हासिल नहीं किया है। मिशन के सबसे कठिन और जीवन-धमकाने वाले चरणों में से एक नासा के पृथ्वी नियंत्रण केंद्रों और किसी भी अन्य संचार प्रणालियों का पूर्ण वियोग था। लगभग एक चौथाई घंटे में, किसी के पास कोई जवाब नहीं था कि उनके और उनके चार अंतरिक्ष यात्रियों के साथ क्या हुआ था, क्या होने वाला था, और कुछ अप्रिय होने की स्थिति में उन्हें कैसे और कहां खोजा जाए। यह विज्ञान से आता है। उन्नीसवीं सदी के लुई पाश्चर, जिन्होंने एक पागल कुत्ते के मुंह में एक ट्यूब चुभाकर उसकी लार चूसने थे।

अशोक भाटिया

जन सुराज का...

कल्याणी शंकर

तनावपूर्ण चुनाव अभियान में पराजित होती दिख रही भाजपा

कल्याणकारी योजनाओं की एक श्रृंखला - छात्रों के लिए साइकिल और छात्रवृत्ति, शिक्षा जारी रखने के लिए छात्राओं के लिए नकद हस्तांतरण और स्वास्थ्य बीमा- ने सुनिश्चित किया है कि बनर्जी की लोकलुभावन अपील बेदाग है। वह महिला मतदाताओं के बीच लोकप्रिय बनी हुई हैं: इस चुनाव में उनके लगभग 17 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं हैं। नवीनतम जनमत सर्वेक्षण अनुमानों के अनुसार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ऐतिहासिक चौथा कार्यकाल मिलने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में अपनी पकड़ मजबूत कर रही है और ममता की स्थिति को चुनौती देने के लिए काफी महत्वाकांक्षी है। इस बीच, कांग्रेस और सीपीआई (एम) दोनों ने अपना प्रभाव खो दिया है। ममता के लिए मुख्य संदेश यह है कि भाजपा का उदय इन पारंपरिक पार्टियों की कीमत पर हुआ है। बंगाल में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है, जिससे यह चुनाव राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बन गया है। यह राज्य अत्यधिक प्रतिस्पर्धी राजनीतिक परिदृश्य को बढ़ावा देता है। टीएमसी को स्पष्ट लाभ है। पार्टी के लिए 119 सीटों को बहुत मजबूत और अतिरिक्त 95 को मजबूत के रूप में वर्गीकृत किया गया है। भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में ममता बनर्जी का मुकाबला उनके पूर्व सहयोगी और भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी से है। भाजपा ने सुवेंदु को मुख्यमंत्री चेहरे के तौर पर पेश किया है। राजनीति भाजपा को अपना

अभियान ममता बनर्जी के 15 साल के कार्यकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के शासन की आलोचना पर केंद्रित किया है। पिछले हफ्ते, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ एक आरोपपत्र जारी किया था, जिसमें बनर्जी के नेतृत्व की आलोचना करते हुए उन्हें 'ममताजी' या 'दीदी' कहकर संबोधित किया गया था। 2021 के पश्चिम बंगाल चुनाव में टीएमसी ने 215 सीटें हासिल कर अहम जीत हासिल की थी। यह एक उल्लेखनीय राजनीतिक बदलाव को दर्शाता है। इसके विपरीत, भाजपा ने 77 सीटें जीतीं, जो राज्य में उसके बढ़ते प्रभाव को उजागर करती हैं। 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद से पिछले पांच वर्षों में, दलबदल और 12 सदस्यों की चुनावी हार के कारण भाजपा की ताकत घटकर 65 हो गई है। धार्मिक और जातिगत आधार पर मतदान के रूझानों से पता चलता है कि कैसे विभिन्न समुदाय टीएमसी और भाजपा का समर्थन करते हैं, जिससे चुनाव के नतीजे के लिए हर वोट महत्वपूर्ण हो जाता है। उत्तर बंगाल के आठ जिलों में भाजपा मजबूत है, जबकि दक्षिण बंगाल के जिलों में टीएमसी का पूरा वर्चस्व है। भाजपा हिंदू वोटों पर निर्भर है जबकि टीएमसी मुस्लिमों, महिलाओं और असंगठित वोटों पर निर्भर है। ममता बनर्जी ने मतदाताओं से उन्हें राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवार के रूप में देखने का आह्वान किया है, न कि केवल व्यक्तिगत टीएमसी उम्मीदवारों के लिए। उन्होंने भाजपा पर बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मतदाताओं को अवैध रूप से पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में जोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि वे बिहार के समान तरीकों का उपयोग करके इन मतदाताओं को ट्रेन से ले आने की योजना बना रहे हैं। पश्चिम बंगाल में लगभग 125 निर्वाचन क्षेत्रों में मुख्य रूप से मुस्लिम आबादी है, जिनमें से टीएमसी ने पिछले चुनाव में 100 से अधिक सीटें जीतीं, जिससे उन्हें मजबूत लाभ मिला है। 2021 के चुनावों के विपरीत,भाजपा अब अपने अभियान में धार्मिक विषयों पर कम ध्यान केंद्रित कर रही है। भाजपा का लक्ष्य 2021 के विपरीत, आगामी चुनावों में धार्मिक विभाजन से बचना है। कुल 30 प्रतिशत से अधिक मतदाता मुस्लिम होने के कारण, पिछले विभाजनों ने उनके समर्थन को नुकसान पहुंचाया है। अपने दृष्टिकोण को नरम करने के लिए, वे अब 'बाहरी' शब्द का उपयोग करते हैं। यह अंदरूनी-बनाम-बाहरी विषय ममता को फायदा देता है। एक शक्तिशाली राजनीतिक नेता, ममता सन् 2011 में कम्युनिस्ट नेतृत्व वाली सरकार को हटाकर सत्ता में आईं, जिसने 34 वर्षों तक पश्चिम बंगाल पर शासन किया था और तब से उन्होंने अपनी स्थिति बरकरार रखी है। टीएमसी बहुत संरचित नहीं है और इसमें सख्त नियमों का अभाव है। इसमें विश्वासों के एक मजबूत समूह का भी अभाव है। भारत में कई क्षेत्रीय दलों की तरह, यह ममता बनर्जी के मजबूत नेतृत्व पर निर्भर करता है, जिन्हें उनके समर्थक प्यार से दीदी और बंगाल टाइग्रेस के नाम से जानते हैं। यदि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत होती है तो उससे पार्टी को महत्वपूर्ण बढ़त मिलेगी, खासकर तब जब नरेंद्र मोदी भारत में सबसे लोकप्रिय नेता होने के बावजूद राज्य चुनावों में संघर्ष कर रहे हैं। बड़े पैमाने पर मुस्लिम मतदाताओं वाले राज्य में जीतना एक मजबूत प्रतीकात्मक महत्व होगा और 2024 के आम चुनावों में मोदी की संगठित पार्टी को चुनौती देने के लिए खंडित विपक्ष के लिए किसी भी शेष संभावना को कम कर देगा। ममता बनर्जी ने भाजपा एजेंटों पर बाहरी लोगों को शामिल करने के लिए फर्जी फॉर्म 6 आवेदनों के साथ पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में बाढ़ लाने का आरोप लगाया है। उन्होंने चुनाव आयोग से लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने का आग्रह किया।

ऐसे माहौल में...

अनिल जैन

पांच राज्यों में चुनाव के नाम पर हो रहा डरावना नाटक

इस समय पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और केंद्र शासित पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रचार अभियान जारी हैं। भाजपा की ओर से हमेशा की तरह प्रचार की कमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने संभाल रखी है। उनके अलावा तमाम केंद्रीय मंत्री, सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी के तमाम नेता धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। सभी के प्रचार की वही चिर-परिचित थीम है, जो पिछले बारह साल से हर चुनाव में रहती आई है- धर्म, हिंदू, मुसलमान, पाकिस्तान, गाय आदि। दूसरी पार्टियां भी कहीं-कहीं इसी लाइन पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रही हैं। आम जनता के रोजमर्रा के जीवन से जुड़े सवालों की कोई चर्चा नहीं। राजनीतिक विश्लेषण कहने को तो चुनाव आयोग की ओर से आदर्श आचार संहिता लागू है, जिसके मुताबिक चुनाव प्रचार के दौरान न तो धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है और न ही धर्म, संप्रदाय और जाति के आधार पर वोट देने की अपील की जा सकती है। इसके अलावा किसी भी धार्मिक अथवा जातीय समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वाले भाषण देने या नारे लगाने का भी आचार संहिता निषेध करती है। इसके बावजूद भाजपा की ओर से धर्म के नाम पर वोट मांगे जा रहे हैं और एक समुदाय विशेष के खिलाफ़ नफ़रत फैलाने वाली बातें कही जा रही हैं। खुद मोदीजी भी अपनी चुनावी रैलियों में खुले आम धार्मिक आधार पर लोगों से वोट देने की अपील कर रहे हैं और लोगों से धार्मिक नारे लगवा रहे हैं। उनकी रैली के मंच पर हमेशा की तरह धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा तो सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने के मकसद से इस

चुनाव को 'सभ्यताओं का संघर्ष तक बता रहे हैं। यही नहीं, वे विरोधी पार्टी के नेताओं के खिलाफ़ अपने बयानों में भद्दी गालियों तक का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह सब बेरोक-टोक चल रहा है, जो कि कानूनन कतई नहीं चलना चाहिए। ऐसे माहौल में करीब तीन दशक पहले का वाकया याद आता है, जब चुनावी सभा में भड़काऊ और नफ़रत फैलाने वाला भाषण देने के लिए शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे पर चुनाव आयोग ने छह साल के लिए चुनाव लड़ने और वोट देने पर पाबंदी लगा दी थी। मामला यह था कि 1987 में महाराष्ट्र विधानसभा की विले पार्ले मुंबई सीट पर उपचुनाव हो रहा था। मुख्य मुकाबला कांग्रेस के उम्मीदवार प्रभाकर काशीनाथ कुंटे और निर्दलीय उम्मीदवार डॉ. रमेश यशवंत प्रभु के बीच था। डॉ. रमेश प्रभु को बाल ठाकरे की शिव सेना का समर्थन प्राप्त था। गौरतलब है कि उस समय शिव सेना को एक राजनीतिक दल के रूप में मान्यता नहीं मिली थी, लेकिन शिवसेना सुप्रीमो बाल ठाकरे खुद डॉ. प्रभु के लिए चुनावी सभाओं के जरिए वोट मांग रहे थे। 13 दिसंबर, 1987 को मतदान हुआ था और 14 दिसंबर को उस उप चुनाव का नतीजा आया था। कांग्रेस उम्मीदवार प्रभाकर कुंटे को हार का सामना करना पड़ा। इस उपचुनाव से पहले विले पार्ले सीट कांग्रेस के पास ही थी।

जरा हटके

यह मान लेना कि ...

गजेंद्र सिंह

मुफ्त योजनाओं के सहारे है राजनीतिक पार्टियों की वोट खरीदी

अक्सर मुफ्त सरकारी योजनाओं को लेकर देश में व्यापक बहस होती रहती है। सामाजिक विशेषज्ञों का एक वर्ग इन्हें अर्थव्यवस्था के लिए प्राणवायु मानता है तो वहीं दूसरा वर्ग इसे करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग करार देता है। उच्चतम न्यायालय भी समय-समय पर बढ़ती "मुफ्त संस्कृति" पर चिंता जता चुका है। इसी प्रकार, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक भी राज्य सरकारों के बढ़ते कर्ज और ब्याज भुगतान के बोझ को लेकर लगातार अपनी रिपोर्टों में चेतावनी देता रहा है। कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि जनकल्याणकारी योजनाओं और "मुफ्त उपहार" के बीच की रेखा अब धीरे-धीरे धुंधली होती जा रही है। जैसे ही चुनाव नजदीक आते हैं, "मुफ्त उपहार" योजनाओं को लेकर राजनीतिक दलों में होड़ शुरू हो जाती है। यह राजनीतिक दलों के लिए एक आसान रास्ता भी बन गया है जहां जटिल नीतिगत सुधारों और संरचनात्मक बदलावों से बचते हुए सीधे मतदाताओं को लुभाने की कोशिश की जाती है। आगामी पांच राज्यों में चुनावों में भी राजनीतिक पार्टियों ने घोषणा कर दी है। केरल में कांग्रेस ने महिलाओं के लिए केएस-आरटीसी की सभी बसों में मुफ्त यात्रा, प्रत्येक परिवार के लिए 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, कॉलेज जाने वाली छात्राओं के लिए 1,000 रुपये मासिक वित्तीय सहायता, 3,000 रुपये मासिक पेंशन और युवाओं के लिए 5 लाख रुपये तक ब्याज मुक्त ऋण देने का वादा किया है। इन योजनाओं का अनुमानित वार्षिक खर्च लगभग 3,000–3,500 करोड़ रुपये है, बीमा राशि को छोड़कर। इसी तरह, असम में कांग्रेस ने महिलाओं के लिए मासिक नकद सहायता, व्यवसाय शुरू करने वाली महिलाओं को 50,000

रुपये, परिवार के लिए 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, 10 लाख नागरिकों के लिए स्थायी भूमि पट्टे और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 1,250 रुपये पेंशन का प्रस्ताव किया है, जिसका अनुमानित वार्षिक खर्च 28,000–30,000 करोड़ रुपये है। तमिलनाडु में एमके नेतृत्व वाली पार्टी ने किसानों के लिए मुफ्त पंप सेट, 35 लाख छात्रों के लिए लैपटॉप, महिलाओं के लिए मासिक सहायता दोगुनी करने और 10 लाख गरीबों के लिए नए आवास का वादा किया है। इसका अनुमानित खर्च 6,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष है (सतत सहायता) और 70,500 करोड़ रुपये (एकमुश्त इन्फ्रास्ट्रक्चर)। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि राजनीतिक पार्टियों के मुफ्त-उन्मुख एजेंडा का वित्तीय भार अत्यंत भारी है। सवाल उठता है कि क्या राज्य ऐसी योजनाओं को लागू कर सकते हैं बिना वित्तीय स्थिरता खोए और बिना आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं को प्रभावित किए। दूसरी ओर, भाजपा ने केरल में महिलाओं को ₹2,500 मासिक सहायता, दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, मुफ्त जल आपूर्ति और पेंशन वृद्धि का वादा किया है, वहीं असम में महिलाओं की सहायता राशि 3,000 करने की घोषणा की है। कुछ भी कहा जाए, महिलाओं को दी जाने वाली प्रत्यक्ष मासिक आर्थिक सहायता भाजपा के लिए हाल के वर्षों में एक प्रभावी और चुनावी दृष्टि से सफल रणनीति के रूप में उभरकर सामने आई है। मध्य प्रदेश से शुरू हुई 'लाड़ली बहना योजना' ने न केवल राज्य में दुबारा सत्ता हासिल की बल्कि इसी तरह की योजनाओ ने महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और अब बिहार जैसे राज्यों में भी सत्ता हासिल कर इस योजना को स्थापित करने में मदद की। हालांकि मुफ्त योजनाएं राजनीतिक रूप से आकर्षक हो सकती हैं, उनकी वित्तीय स्थिरता गंभीर चिंता का विषय है। हिमाचल प्रदेश इसका एक उदाहरण है। राज्य का ऋण 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है. मुख्यमंत्री, विधायक और वरिष्ठ अधिकारियों के वेतन स्थगित हैं, सरकारी कर्मचारियों को भुगतान में देरी का सामना करना पड़ रहा है और बजट लगभग 3,500 करोड़ रुपये तक कम कर दिया गया है। ऋण-से-जीएसडीपी अनुपात भी राज्यों पर वित्तीय दबाव को दर्शाता है: अरुणाचल प्रदेश 57%, हिमाचल प्रदेश 45.2%, केरल 36.8%, और राजस्थान 35.8% के साथ उच्च ऋण स्तर पर हैं जबकि कर्नाटक 26.5%, तेलंगाना 26.2%, और असम 27.5% मध्यम स्तर पर हैं, और ओडिशा 16.3%, गुजरात 17.9%, और महाराष्ट्र 19% तुलनात्मक रूप से कम ऋण स्तर पर हैं। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि व्यापक मुफ्त योजनाएं देने वाले राज्य अक्सर महत्वपूर्ण ऋण बोझ उठाते हैं जिससे आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं और दीर्घकालिक विकास परियो-जनाओं को वित्तपोषित करने की क्षमता सीमित हो सकती है। यह मान लेना कि मुफ्त योजनाएं केवल समाज कल्याण का हिस्सा हैं, कई बार भ्रामक प्रतीत होता है। वास्तविकता यह है कि जब ये योजनाएं राजनीतिक लाभ और वोट आकर्षित करने के साधन के रूप में इस्तेमाल होने लगती हैं, तब उनका मूल उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है। ऐसी स्थिति में लोकतांत्रिक विमर्श भी प्रभावित होता है, जहां नीतिगत बहस और दीर्घकालिक विकास के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं, और उनकी जगह तात्कालिक लाभ केंद्र में आ जाते हैं। परिणामस्वरूप, लोकतंत्र की गुणवत्ता पर भी प्रश्नचिह्न खड़े होने लगते हैं । चिंता की बात यह है कि रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे का विकास और मूलभूत सुविधाएं—जैसे बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा—जैसे मुद्दे, जो किसी भी राज्य के सतत विकास की नींव होते हैं, वे अब "पुराने" और "कम आकर्षक" माने जाने लगे हैं। इसके स्थान पर राजनीतिक दल ऐसे वादे करना पसंद करते हैं जो तुरंत ध्यान आकर्षित करें और चुनावी मंचों पर चर्चा का विषय बन सकें परंतु सवाल यह उठता है कि क्या यह प्रवृत्ति लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए दीर्घकालिक रूप से उचित है? क्या हम तात्कालिक लाभ के बदले भविष्य की स्थिरता को दांव पर लगा रहे हैं? अंततः, मुफ्त योजनाओं पर चल रही यह बहस केवल आर्थिक नहीं बल्कि लोकतंत्र की दिशा और गुणवत्ता से जुड़ा हुआ प्रश्न है। आवश्यकता इस बात की है कि जनकल्याण और चुनावी प्रलोभन के बीच स्पष्ट रेखा खींची जाए, जहां सरकारें अल्पकालिक लोकप्रियता के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता दें।

हेनरिक क्लासन ने एसआरएच को दिए 10 में 6 नंबर

बोले- अहम मौकों पर चूक पड़ रही भारी, खुद टीम के टॉप स्कोरर

मुंबई, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद की IPL 2026 में शुरुआत अब तक मिली-जुली रही है। टीम ने शुरुआती 3 मैचों में से 2 हारे हैं, जबकि 1 मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जीत हासिल की। टीम के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज हेनरिक क्लासन ने मंगलवार को जियोस्टार प्रेस रूम में टीम के प्रदर्शन पर बात की। SRH का अगला मुकाबला 11 अप्रैल को पंजाब किंग्स और 13 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स से होगा। टीम 18 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स से भिड़ेगी, इसके बाद 21 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच खेलेगी। वहीं, 29 अप्रैल को एक बार फिर मुंबई इंडियंस से टक्कर होगी। इसके अलावा टीम को पांच और मैच खेलने हैं। सवाल पर क्लासन ने कहा कि अगर टीम के प्रदर्शन को रेटिंग दी जाए तो वह अभी 10 में से 6 देंगे। उन्होंने कहा कि

हेनरिक क्लासन इस सीजन शानदार फॉर्म में हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 3 मैचों में 145 रन बनाए हैं।

बल्लेबाजी यूनिट का बड़ा हिस्सा अच्छी लय में है और टीम में करीब 80% पॉजिटिव्स हैं, लेकिन शुरुआती झटके बड़ी चुनौती बन रहे हैं। फील्डिंग को लेकर भी क्लासन ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शुरुआती दो मैचों में टीम की फील्डिंग स्तर के मुताबिक नहीं रही, हालांकि पिछले मैच में सुधार देखने को मिला। टीम अब बेहतर फील्डिंग स्टैंडर्ड सेट करने पर काम कर रही है ताकि दबाव बनाया जा सके और कैच छोड़े बिना मौके भुनाए जा सकें।

10 में से 6 की रेटिंग

सवाल पर क्लासन ने कहा कि अगर टीम के प्रदर्शन को रेटिंग दी जाए तो वह अभी 10 में से 6 देंगे। उनके मुताबिक टीम ने कई क्षेत्रों में अच्छा खेल दिखाया है, लेकिन अहम मौकों पर की गई गलतियां भारी पड़ रही हैं।

पावरप्ले में विकेट गिरना बड़ी समस्या

क्लासन ने बताया कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पावरप्ले में जल्दी विकेट गंवाने से टीम मुकाबले से बाहर हो गई। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी यूनिट का बड़ा हिस्सा अच्छी लय में है और टीम में करीब 80% पॉजिटिव्स हैं, लेकिन शुरुआती झटके बड़ी चुनौती बन रहे हैं। फील्डिंग को लेकर भी क्लासन ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शुरुआती दो मैचों में टीम की फील्डिंग स्तर के मुताबिक नहीं रही, हालांकि पिछले मैच में सुधार देखने को मिला। टीम अब बेहतर फील्डिंग स्टैंडर्ड सेट करने पर काम कर रही है ताकि दबाव बनाया जा सके और कैच छोड़े बिना मौके भुनाए जा सकें।

हेनरिक क्लासन SRH के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने पिछले दोनों मैचों में अर्धशतक जड़कर टीम के लिए अहम योगदान दिया है।

क्लासन एसआरएच के टॉप स्कोरर

SRH के लिए क्लासन इस सीजन शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। साउथ अफ्रीका के इस विकेटकीपर-बैटर ने शुरुआती 3 मैचों में 2 अर्धशतकों के साथ कुल 145 रन बनाए हैं और टीम के टॉप स्कोरर बने हुए हैं। क्लासन ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 52 रन और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 62 रनों की अहम पारियां खेलीं। हालांकि पिछले मैच में सुधार देखने को मिला। टीम अब बेहतर फील्डिंग स्टैंडर्ड सेट करने पर काम कर रही है ताकि दबाव बनाया जा सके और कैच छोड़े बिना मौके भुनाए जा सकें।

क्लासन ने साफ किया कि टीम में किसी तरह की घबराहट नहीं है और ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अब टीम का फोकस बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों डिपार्टमेंट्स में एकसाथ अच्छा प्रदर्शन कर मोमेंटम हासिल करने पर है। ताकि दबाव बनाया जा सके और कैच छोड़े बिना मौके भुनाए जा सकें।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम हटाए गए

तमीम इकबाल को एड-हॉक कमेटी का हेड बनाया, 90 दिन के अंदर चुनाव होंगे

ढाका, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप विवाद के बाद बांग्लादेश की नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (NSC) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल को हटा दिया। बोर्ड के 6 अन्य डायरेक्टर्स ने भी इस्तीफा दे दिया। बोर्ड के कामकाज के लिए एड-हॉक कमेटी बनाई गई, जिसकी कमान पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को सौंपी गई। यह कमेटी 90 दिनों में चुनाव कराएगी। NSC ने मंगलवार को BCB बोर्ड को भंग करने का फैसला लिया। इसके बाद नई एड-हॉक कमेटी गठित की गई, जिसका उद्देश्य रोजमर्रा का कामकाज संभालना और तय समय में चुनाव कराना है। बांग्लादेश ने तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को IPL से हटाने के विरोध में भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से इंकार कर दिया था। इसके बाद ICC ने उसकी जगह स्कॉटलैंड को मौका दिया था। खेल मंत्रालय ने इसकी जांच कराई थी। तमीम इकबाल को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया। कमेटी

में 11 मेंबर्स शामिल हैं। इनमें अथर अली खान, राशना इमाम, मिर्जा यासिर अब्बास, सैयद इब्राहिम अहमद, मिनहाजुल आबेदीन नन्नू, इशराफिल खुसरू, तंजिम चौधरी, सलमान इस्पहानी, रफीकुल इस्लाम और फहीम सिन्हा शामिल हैं। T20 वर्ल्ड कप विवाद और बोर्ड के भीतर बढ़ते असंतोष के कारण बुलबुल को हटाया गया। इस दौरान छह डायरेक्टरों ने भी इस्तीफा दे दिया था, जिससे बोर्ड पर दबाव बढ़ा। NSC के डायरेक्टर अमीनुल एहसान ने बताया कि BCB बोर्ड को भंग करने और एड-हॉक कमेटी बनाने की जानकारी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) को दे दी गई।

फास्ट न्यूज

जरीन खान की मां परवीन खान का निधन

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान की मां परवीन खान का आज सुबह निधन हो गया। एक्ट्रेस की टीम ने इस दुखद खबर की पुष्टि की है। जरीन की मां परवीन बीते लंबे समय से बीमार चल रही थीं। कई बार अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें इमरजेंसी में एडमिट भी करवाया जा चुका था। जरीन खान की टीम ने आधिकारिक स्टेटमेंट में परवीन खान के निधन की पुष्टि करते हुए लिखा है।

तेल संकट का चीन पर असर क्यों नहीं पड़ा

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच जहां कई देश ऊर्जा संकट से जूझ रहे हैं, वहीं चीन पर इसका असर बाकी दुनिया के मुकाबले कम दिखाई दे रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन खुद को कई सालों से ऐसे हालात के लिए तैयार कर रहा था। चीन दुनिया का सबसे बड़ा तेल खरीदने वाला देश है, इसलिए अगर तेल की सप्लाई में रुकावट आती है तो उसे सबसे ज्यादा नुकसान होना चाहिए था। लेकिन चीन ने पहले से ही बड़ी मात्रा में तेल जमा करके रखा हुआ है। इसके अलावा चीन बिजली से चलने वाले सिस्टम पर शिफ्ट कर चुका है और कोयले से भी जरूरी चीजें बना रहा है। चीन ने धीरे-धीरे अपनी ऊर्जा पॉलिसी को इस तरह बदला कि वह वैश्विक सप्लाई शॉक का सामना कर सके। सरकार ने अहम सेक्टर्स में निवेश बढ़ाया और इंडस्ट्रियल स्ट्रेथ को राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा बनाया।

इंडियाज गॉट लेटेंट कंट्रोवर्सी पर समय रैना का रिएक्शन

मुंबई। समय रैना ने इंडियाज गॉट लेटेंग कंट्रोवर्सी के बाद शो स्टिल अलाइव से स्टैंड अप कॉमेडी में वापसी की है। इस शो में समय रैना ने लेटेंट शो के विवाद, रणवीर अलाहाबादिया के अश्लील सवाल पर रिएक्ट किया है। इसके अलावा उन्होंने अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन का भी जमकर मजाक उड़ाया है। इंडियाज गॉट लेटेंट कंट्रोवर्सी पर समय रैना ने कहा कि जिस एपिसोड पर विवाद हुआ, वो 5 घंटे का था।

44 के हुए अल्लू अर्जुन

पहली फिल्म सुपरहिट, 18 साल बाद पुष्पा ने सुपरस्टार बनाया

मुंबई, एजेंसी

एक लड़का, जिसका जन्म फिल्म इंडस्ट्री में गहरी पकड़ रखने वाले एक बड़े परिवार में हुआ। 3 साल की उम्र में वो पहली बार कैमरे के सामने आया। 20 साल की उम्र में बतौर हीरो पहली फिल्म भी आसानी से मिल गई। नाम था- गंगोत्री, जिसके प्रोड्यूसर कोई और नहीं बल्कि उसके पिता ही थे। लेकिन असल संघर्ष इसके बाद शुरू हुआ, पहली फिल्म सुपरहिट होने के बावजूद सांवली रंगत के चलते उसको हीरो मटेरियल नहीं माना गया और कोई भी उसे काम देने आगे नहीं आया और फिर एक नए डायरेक्टर की फिल्म बन रही थी। बड़े स्टार्स फिल्म करने में झिझक रहे थे, तब उसकी कास्टिंग की गई। फिल्म का नाम था- आर्या। लव ट्रायंगल वाली ये फिल्म सुपरहिट रही और उसको स्टारडम मिल गया। बाद में उसी

डायरेक्टर के साथ उसने फिल्म पुष्पा की, जो ब्लॉकबस्टर रही और उसे पैन इंडिया स्टार बना दिया। वो डायरेक्टर थे सुकुमार और आज बात हो रही है पैन इंडिया सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की। अल्लू अर्जुन आज 44 साल के हो गए हैं। उनके जन्मदिन के खास मौके पर पढ़िए कहानी एक्टर की जिंदगी की। उन्होंने कहा था कि फिल्मी परिवार में पैदा होने का असर होता है और अंत में इंसान फिल्मों की तरफ लौट आता है।

2 दिन इंतजार करते रहे विदेशी फैंस: घर बुलाकर चाय पिलाई

अल्लू अर्जुन की गिनती उन अभिनेताओं में होती है, जिनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने फैंस से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया था। अल्लू ने बताया था कि उनकी टीम ने उन्हें जानकारी दी कि मिडिल ईस्ट से कुछ फैंस उनसे मिलने हैदराबाद पहुंचे हैं।

वे करीब दो दिनों से सिर्फ उनकी एक झलक पाने के लिए इंतजार कर रहे थे। यह जानकर अल्लू ने उन्हें अंदर बुलाया और घर पर चाय पिलाई और उनसे बातचीत भी की। फैंस ने बताया था। कि उनके पास अल्लू अर्जुन की तस्वीरों और वीडियोज का बड़ा कलेक्शन है। खास बात यह थी कि वे उनकी फिल्में भाषा समझे बिना भी देखते थे।

अल्लू अर्जुन स्कूल में एवरेज स्टूडेंट थे, लेकिन डांस और परफॉर्मेंस में हमेशा आगे रहते थे। वैसे तो चाइल्ड एक्टर के तौर पर अल्लू अर्जुन ने फिल्मों में महज 3 साल की उम्र में एक्टिंग की शुरुआत की थी। हालांकि, फिल्म कंपेनियन को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि शुरू में उनका एक्टर बनने का कोई इरादा नहीं था। उन्होंने ठअरअ में काम करने सहित कई करियर ऑप्शन के बारे में सोचा था, लेकिन बाद में उनका इंटरेस्ट खत्म हो गया।

शूटिंग में बॉडी पर चिपकाए गए डायलॉग पेपर

2020 में आई फिल्म अला वैकुंठपुरमुलो अल्लू के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में शामिल हुई, जिसमें उनके डांस और स्टाइल ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। फिल्म अला वैकुंठपुरमुलो की शूटिंग के दौरान एक मजेदार किस्सा हुआ था।

अल्लू अर्जुन के दादा ने 1000+ फिल्मों में काम किया

अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद फेमस फिल्म प्रोड्यूसर हैं और वहीं उनकी मां का नाम निर्मला है। उनके दादा अल्लू रामलिंगैया मशहूर कॉमेडियन थे, जिन्होंने 1000 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उनका पैतृक गांव आंध्र प्रदेश के वेस्ट गोदावरी जिले का पलाकोल्लू है। अल्लू अर्जुन तीन भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर हैं। उनके बड़े भाई वेंकटेश एक बिजनेसमैन हैं, जबकि छोटे भाई सिरिश एक एक्टर हैं। उनकी बुआ सुरेखा कोनिडेला, सुपरस्टार चिरंजीवी की पत्नी हैं। चिरंजीवी अल्लू के फूफा और एक्टर राम चरण उनके कजिन हैं। अल्लू अर्जुन ने अपना बचपन चेन्नई में बिताया, लेकिन 1990 के दशक में उनका परिवार हैदराबाद शिफ्ट हो गया।

- अल्लू अर्जुन के दादा अल्लू रामलिंगैया 'भक्त कन्नप्पा', 'मुथ्याला मुग्गू', 'कल्याण रामुडु' और 'इंद्रा' जैसी कई फिल्मों में नजर आए थे।
- 1985 की फिल्म विजेता से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट एक्टिंग की शुरुआत की। इसके बाद, उन्होंने 1986 में फिल्म स्वाति मुथ्यम में भी काम किया।

पहली फिल्म सुपरहिट, लेकिन फिर भी काम नहीं मिला

2003 में फिल्म गंगोत्री से अल्लू अर्जुन ने बतौर लीड रोल करियर की शुरुआत की थी। जिसे उनके पिता अल्लू अरविंद ने प्रोड्यूस किया था। फिल्म सुपरहिट थी, लेकिन आलोचकों और दर्शकों के एक वर्ग ने उनके लुक्स को एक मास हीरो के लिए फिट नहीं माना था।

सलमान के बाद मीका भी राजपाल के सपोर्ट में उतरे

कहा- किसी के बुरे वक्त का मजाक उड़ाना गलत

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्टर राजपाल यादव का स्क्रीन अवार्ड्स 2026 के दौरान मजाक उड़ाए जाने का मामला अब तेजी से तूल पकड़ता जा रहा है। सलमान खान के बाद अब सिंगर मीका सिंह भी राजपाल यादव का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने वार्ड शो के मंच पर राजपाल के कर्ज और उनकी निजी जिंदगी को लेकर की गई टिप्पणी पर नाराजगी जताई है। सलमान खान ने भी पहले कहा था कि राजपाल 30 साल से काम कर रहे हैं और वे इंडस्ट्री के लिए एक 'वैल्यू' लेकर आते हैं। दरअसल, अवॉर्ड सेरेमनी में राजपाल यादव ने

डॉलर के रेट बढ़ने पर बात की थी, जिस समय अवॉर्ड होस्ट कर रहे जर्नलिस्ट सौरभ द्विवेदी ने राजपाल यादव के चेक बाउंस केस पर तंज कसा और कहा कि डॉलर के रेट बढ़ें या घटें उन्हें उतनी उधार चुकानी ही पड़ेगी, जितनी ली है। सिंगर मीका सिंह ने कहा कि स्क्रीन अवार्ड्स एक सम्मानित मंच है और वहां किसी की निजी जिंदगी का अपमान नहीं होना चाहिए। मीका ने कहा, हमें राजपाल यादव जी के साथ खड़ा हूं।

धुरंधर से इंडस्ट्री की जली : जाकिर खान

भड़कीं अमीषा पटेल बोलीं- नेगेटिविटी मत फैलाओ

मुंबई, एजेंसी

स्टैंड-अप कॉमेडियन जाकिर खान के फिल्म इंडस्ट्री पर दिए गए एक बयान पर एक्ट्रेस अमीषा पटेल और जवान डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद भड़क गए हैं। दरअसल, हाल ही में स्क्रीन अवॉर्ड होस्ट करते हुए जाकिर खान ने कहा था कि धुरंधर 2 की फिल्म इंडस्ट्री के लोग कितनी भी तारीफ करें, लेकिन असल में उनकी फिल्म से जली है। अमीषा पटेल ने जाकिर खान के इस बयान पर जवाब देते हुए ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा है, 'नेगेटिविटी फैलाना बंद करो। फिल्म इंडस्ट्री ने धुरंधर को हमेशा महत्व और सम्मान दिया है। शाहरुख खान, सलमान खान, सनी देओल, ऋतिक रोशन, अजय देवगन जैसे सुपरस्टार्स ने सिर्फ एक नहीं बल्कि 25 से ज्यादा मेगा हिट फिल्में दी हैं और आगे भी देते रहेंगे। चिल करो, गदर तो सबने कई सालों से पहले ही मचा रखी है और आगे भी मचाते रहेंगे। पठान और फाइटर जैसी फिल्में बना चुके डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने भी जाकिर खान के बयान की निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है, 'जुहू-

बांद्रा के लोगों ने पिछले 50 सालों में सभी ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उनके कॉन्ट्रीब्यूशन को कम आंकने के लिए बहुत बड़ा बेवकूफ होना पड़ेगा।' स्क्रीन अवॉर्ड में जाकिर खान ने फिल्म इंडस्ट्री पर निशाना साधते हुए कहा था, लोग कितना भी धुरंधर 2 को बधाई देते हुए पोस्ट डाल दें, रील डाल दें या पब्लिक इंटरव्यू में ये कह दें कि ये उनकी पसंदीदा फिल्म है, लेकिन सच तो ये है दोस्तों कि धुरंधर से सबकी जली तो है। देखिए बम फिल्म में फूटे ल्यारी में, पर धुआं हुआ है जुहू से बांद्रा में।

ड्राफ्ट मैसेज लिखे होने पर सवाल, यूजर बोले- ट्रम्प की गुलामी कर रहा पाकिस्तान

अमेरिका ने पाकिस्तानी-पीएम को जंग रोकने का पोस्ट भेजा

इसलामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। यह पोस्ट अमेरिका-ईरान सीजफायर से जुड़ा था और सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में आ गया। पोस्ट की एडिट हिस्ट्री में 'ड्राफ्ट-पाकिस्तानी PM का मैसेज' दिखने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह मैसेज पहले से तैयार ड्राफ्ट था। शरीफ ने यह भी कहा कि पाकिस्तान ईमानदारी से ईरान से अपील करता है कि वह होर्मुज स्ट्रेट को दो हफ्ते के लिए खोल दे, ताकि इसे एक अच्छा कदम माना जा सके। इसके साथ ही शरीफ ने सभी लड़ाई में शामिल पक्षों से कहा कि वे हर जगह दो

हफ्ते के लिए जंग रोक दे, ताकि बातचीत के जरिए इस जंग को पूरी तरह खत्म किया जा सके और क्षेत्र में लंबे समय तक शांति और स्थिरता लाई जा सके। असल विवाद तब शुरू हुआ जब शहबाज शरीफ के अकाउंट से जो पहला पोस्ट गया, उसमें ऊपर लिखा था- 'ड्राफ्ट-पाकिस्तानी PM का मैसेज' यानी यह एक ड्राफ्ट मैसेज था, जो शायद पब्लिक के लिए नहीं था।

कुछ यूजर्स ने इसे व्हाइट हाउस से जुड़े निर्देश जैसा बताया, जबकि कुछ ने कहा कि ट्रम्प पाकिस्तान की नीति को कंट्रोल कर रहे हैं, यह उनकी गुलामी करने जैसा है। हालांकि, पाकिस्तान खुद को अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में पेश कर रहा है। जिसमें उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से अपील की थी कि वे ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की धमकी देने की अपनी समय-सीमा (डेडलाइन) को दो हफ्ते के लिए बढ़ा दें।

लोग अब अटकलें लगा रहे है कि यह पोस्ट पाकिस्तान के पीएम के लिए ट्रम्प ने लिखा होगा।

सोशल मीडिया पर भी कई लोगों ने सवाल उठाए

कुछ यूजर्स ने कहा कि यह पोस्ट शायद गलती से 'ड्राफ्ट' सहित कॉपी-पेस्ट कर दिया गया। एक यूजर ने लिखा कि अगर पाकिस्तान का प्रधानमंत्री ठीक से ट्वीट भी नहीं कर सकता, तो देश कैसे चलाएगा। दूसरे ने लिखा कि ऐसा लग रहा है जैसे ट्रम्प ने जो मैसेज दिया, वही शहबाज शरीफ ने पोस्ट कर दिया। तीसरे ने कहा कि यह कोई बड़ी साजिश नहीं, बल्कि शर्मनाक लापरवाही है।

दावा- अमेरिका या इजराइल ने ड्राफ्ट तैयार किया

इस मामले में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात पर हुई कि क्या यह मैसेज वास्तव में पाकिस्तान में तैयार हुआ था या कहीं बाहर से आया था। कुछ लोगों ने तो विदेशी दखल की बात भी कही, लेकिन अभी तक इन दावों की कोई पुष्टि नहीं हुई है। ड्रॉप साइट के फाउंडर रयान ग्रिम ने फोर्ब्स से कहा कि यह मैसेज शायद शहबाज शरीफ ने खुद नहीं लिखा। उन्होंने कहा कि अगर यह मैसेज उनकी अपनी टीम ने लिखा होता, तो वे अपने प्रधानमंत्री के लिए 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री' जैसा शब्द इस्तेमाल नहीं करते।

चांदी 13 हजार बढ़कर 2.44 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद सोने और चांदी में आज यानी 8 अप्रैल को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 4 हजार रुपए बढ़कर 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले 7 अप्रैल को इसकी कीमत 1.48 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 13 हजार रुपए बढ़कर 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 2.31 लाख रुपए प्रति किलो थी। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए और चांदी 14 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

रेपो रेट में बदलाव नहीं, लोन महंगे नहीं होंगे

आरबीआई ने ब्याज दर 5.25% पर बरकरार रखी

नई दिल्ली, एजेंसी

नए वित्त वर्ष की पहली मीटिंग में रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25% पर बरकरार रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी EMI भी नहीं बढ़ेगी। RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 8 अप्रैल को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए फैसलों की जानकारी दी। इससे पहले फरवरी में भी रेपो रेट में बदलाव नहीं हुआ था। RBI ने आखिरी बार दिसंबर 2025 में ब्याज दर 0.25% घटाकर 5.25% की थी। RBI जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। जब RBI रेपो रेट घटाता है तो बैंक इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। RBI गवर्नर के मुताबिक, महंगाई में फिर से उछाल आने का खतरा अभी टला नहीं है। खराब मौसम और बेमौसम बारिश की वजह से फल, सब्जियों और अनाज की कीमतों में बढ़ोतरी होने की आशंका है।

ईरान-इजरायल जंग की वजह से सप्लाई चैन पर बुरा असर पड़ रहा है। RBI अभी 'रुको और देखो' की नीति अपना रहा है। ग्लोबल मार्केट में मची उथल-पुथल को देखते हुए आरबीआई जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहता। बैंक अभी दुनिया भर के आर्थिक हालातों पर नजर रखना चाहता है। इसी वजह से ब्याज दर में बदलाव नहीं किया गया। भारत की मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिति मजबूत है; ईरान युद्ध की वजह से हालात चुनौतीपूर्ण हैं। एनर्जी (तेल-गैस) की कीमतें बढ़ने से ग्लोबल ग्रोथ पर खतरा मंडरा रहा है।

खाद्य सुरक्षा व नवाचार से आत्मनिर्भर और विकसित भारत का मार्ग होगा प्रशस्त : श्री केशव प्रसाद मौर्य

वैज्ञानिकों के शोध और नवाचार से सशक्त होगी खाद्य सुरक्षा की कड़ी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री Keshav Prasad Maurya ने बुधवार को Amity University Lucknow में आयोजित चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। "पैथोजेन्स, प्लांट हेल्थ एंड फूड सिक्योरिटीः क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर एंड लैंडस्केप कंजर्वेशन" विषय पर आयोजित इस सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय प्रशासन ने उप मुख्यमंत्री का अंगवस्त्र, साफा और पौधा भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने "Pathogens, Plant Health and Food Security" पुस्तक का विमोचन किया और देशभर से आए वरिष्ठ वैज्ञानिकों को

- कृषि में वैल्यू एडिशन और तकनीक के समन्वय से बढ़ेगी किसानों की आय।
- एमिटी विवि में डिप्टी सीएम ने किया अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन।
- सतत कृषि और खाद्य सुरक्षा पर मंथन के लिए एक मंच पर आए प्रतिष्ठित वैज्ञानिक।

लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड देकर सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री ने वैज्ञानिकों से ऐसी तकनीकों के विकास का आह्वान किया, जिससे वर्षा, ओलावृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाओं से फसलों को बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि अब समय केवल मात्रा नहीं, बल्कि गुणवत्ता पर ध्यान देने का है, ताकि भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा कर सकें। मौर्य ने कहा कि Narendra Modi के नेतृत्व में केंद्र सरकार और प्रदेश में Yogi Adityanath के नेतृत्व में किसानों, युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं और सरकार उन्हें "लखपति दीदी" से आगे "करोड़पति दीदी" बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इसके साथ ही 'एक जनपद, एक उत्पाद (ODOP)' योजना को स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने वाला बताया और "एक जनपद, एक व्यंजन" पहल के जरिए खाद्य उत्पादों की ब्रांडिंग को बढ़ावा देने की बात कही।

खाद्य सुरक्षा सिर्फ उत्पादन नहीं, पूरी प्रणाली का विषय: मौर्य

अपने संबोधन में मौर्य ने कहा कि खाद्य सुरक्षा केवल फसल उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भंडारण, कोल्ड चेन, प्रसंस्करण, गुणवत्ता और विपणन जैसे कई महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कृषि में आधुनिक तकनीक और नवाचार के समन्वय से ही आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे उपजाऊ भूमि वाला प्रदेश है, लेकिन भंडारण और वैल्यू एडिशन की कमी के कारण किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता। अधिक उत्पादन के बावजूद उचित मूल्य न मिलना एक गंभीर चुनौती है, जिस पर नीति और शोध के स्तर पर काम करने की जरूरत है।

वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की अहम भूमिका

मौर्य ने कहा कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और इस लक्ष्य को हासिल करने में वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस तरह के सम्मेलन खाद्य सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों के समाधान में मील का पत्थर साबित होंगे। यह सम्मेलन Amity FOOD AND AGRICULTURE FOUNDATION और Indian SOCIETY OF MYCOLOGY AND PLANT PATHOLOGY के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इसमें देश-विदेश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, शिक्षाविद और शोधकर्ता भाग ले रहे हैं।

अखिलेशका भाजपा पर तीखा हमला

बोले-'विभाजनकारी राजनीति से समाज को बांटा जा रहा'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव ने भाजपा और उसके सहयोगियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनकी विभाजनकारी नीतियां समाज को आपस में लड़ाने और डराने का काम कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग 'बांटो और राज करो' की सोच के तहत देश में अस्थिरता पैदा करते हैं और जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाते हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि ऐसे लोग अपनी पहचान छिपाकर काम करते हैं और समाज में दरार पैदा करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्वार्थी तत्वों को आगे कर समाज में भय और अविश्वास का माहौल बनाया जाता है, जिससे हिंसा और तनाव बढ़ता है। अखिलेश यादव ने कहा कि देश का आम नागरिक शांति चाहता है, लेकिन कुछ लोग अपने स्वार्थ के लिए समाज को बांटने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अब जनता इन साजिशों को समझ चुकी है और ऐसे लोगों को अपने बीच

जगह नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगियों की रणनीतियां अब पूरी तरह बेनकाब हो चुकी हैं और आने वाले समय में जनता उन्हें सत्ता से बाहर कर देगी। सपा प्रमुख ने भरोसा जताया कि जनता की जागरूकता ही देश के बेहतर भविष्य का रास्ता तय करेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि देश का आम नागरिक शांति चाहता है, लेकिन कुछ लोग अपने स्वार्थ के लिए समाज को बांटने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि अब जनता इन साजिशों को समझ चुकी है और ऐसे लोगों को अपने बीच जगह नहीं दे रही है।उन्होंने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगियों की रणनीतियां अब पूरी तरह बेनकाब हो चुकी हैं और

आने वाले समय में जनता उन्हें सत्ता से बाहर कर देगी।

सपा प्रमुख ने भरोसा जताया कि जनता की जागरूकता ही देश के बेहतर भविष्य का रास्ता तय करेगी। सपा प्रमुख ने कहा कि ऐसे लोग अपनी पहचान छिपाकर काम करते हैं और समाज में दरार पैदा करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्वार्थी तत्वों को आगे कर समाज में भय और अविश्वास का माहौल बनाया जाता है, जिससे हिंसा और तनाव बढ़ता है। अखिलेश यादव ने भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति का आरोप लगाया। बोले—जनता अब जागरूक है और जल्द ही नकारात्मक सोच का अंत होगा।

फास्ट न्यूज

700 से ज्यादा पेड़ कटने से बचे

लखनऊ। लखनऊ में कुकरैल नाइट सफारी तक प्रस्तावित चार लेन सड़क को रोकते हुए अब दो लेन सड़क बनाने का निर्णय लिया गया है। इस बदलाव से 700 से ज्यादा पेड़ों की कटान टल जाएगी। दरअसल, पीडब्ल्यूडी ने 17 फरवरी 2025 को कुकरैल नाइट सफारी तक चार लेन सड़क निर्माण के लिए टेंडर जारी किया था। केंद्रीय सशक्त समिति (CEC) ने अपनी रिपोर्ट में इस पर गंभीर आपत्ति जताई।

सेक्स रैकेट सरगना के साथ पुलिसवाले कर रहे पार्टी

कानपुर। कानपुर में सेक्स रैकेट सरगना की बर्थडे पार्टी में शामिल होने वाले 2 कांस्टेबल्स को सस्पेंड कर दिया गया है। दरअसल, 3 अप्रैल को पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंड़ाफोड़ किया था। रैकेट के सरगना रोहित को अरेस्ट कर लिया। पुलिस के अनुसार, रैकेट 20 होटल्स में युवतियों को भेजते थे। उधर, सेक्स रैकेट के खुलासे के बाद आरोपी रोहित और उसके साथी साहिल के कई वीडियो भी सामने आए हैं। वीडियो में वह एक किशोर को डंडों-जूतों से पीट रहा है, फिर उस पर पेशाब कर रहा तो एक दूसरे वीडियो में पुलिस अधिकारी का नाम लेकर धौंस देता दिख रहा। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने कहा- दो कांस्टेबल्स को सस्पेंड कर दिया गया है। आरोपी रोहित को अरेस्ट कर लिया गया था जबकि साहिल को अरेस्ट करने के लिए पुलिस की तीन टीमें लगाई गई हैं।

'पाकिस्तानी शादी कल्चर की नकल ना करें'

सहारनपुर। सहारनपुर में जमीयत दावतुल मुस्लीमीन के संरक्षक और देवबंदी आलिम मौलाना कारी इसहाक गोरा ने शादियों में बढ़ते दिखावे पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- लोग सोशल मीडिया देखकर पाकिस्तानी शादी कल्चर की नकल कर रहे हैं। यह समाज के लिए ठीक नहीं है। मौलाना गोरा ने कहा- इस्लाम में निकाह को सादा, आसान और बरकत वाला अमल माना गया है।

बिजली कर्मचारियों का लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन

मुख्यालय के बाहर हाथ जोड़कर प्रार्थना की, बोले- समान वेतन मिले

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के निविदा कर्मचारियों ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर बुधवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के मुख्यालय के बाहर कर्मचारियों ने 'इतनी शक्ति हमें देना दाता' प्रार्थना के साथ आंदोलन की शुरुआत की। फिर सड़क पर बैठकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को उठाया। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर विभाग को अवगत करा रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। कई बार ज्ञापन देने और बातचीत के बावजूद स्थिति जैसी थी वैसी ही बनी हुई है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि निविदा पर काम करने वाले कर्मियों को न तो पर्याप्त वेतन मिल रहा है और न ही उन्हें

स्थायी कर्मचारियों जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। इससे उनके सामने आर्थिक और सामाजिक संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को जल्द नहीं माना गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर प्रदेश स्तर पर बिजली कार्य बाधित करने जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि वे किसी भी कीमत पर अपनी मांगों से पीछे हटने वाले नहीं हैं और जब तक ठोस आश्वासन नहीं मिलता, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

हाथ-पैर बांधकर 13 साल की लड़की से रेप

लखनऊ। लखनऊ में 13 साल की लड़की से रेप का मामला सामने आया है। लड़की मंगलवार रात निर्माणाधीन मकान में बेसुध मिली। उसके हाथ-पैर बंधे थे। भाई के मुताबिक, काम करके लौट रही बहन आंधी-बारिश से बचने के लिए निर्माणाधीन मकान में रुकी थी। इसी दौरान 17 साल के नाबालिग आरोपी ने चार दोस्तों के साथ उसे बंधक बना लिया। बहन के साथ मारपीट की और रेप किया। भाई के मुताबिक, बहन घर नहीं पहुंची तो हम लोग खोजते हुए मौके पर पहुंचे। हमें देखकर आरोपी भागने लगे। दो आरोपी छत से कूद गए, जिससे उन्हें चोट आई। शोर सुनकर आसपास के लोग जुट गए। पांचों आरोपियों को दौड़ाकर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने लड़की को इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस का कहना है- पूछताछ में लड़की ने बताया है कि आरोपी उसका परिचित है। उसी ने उसके साथ रेप किया है। दोस्तों ने उसका साथ दिया। बयान के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। मामला आशियाना थाना क्षेत्र का है।

कमरा बंद करके फंदा लगाया, बैलेंस बिगड़ने से गला कसा
रील बना रहे युवक की मौत

- पुलिस ने जाकिर के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।
- जाकिर ने इंस्टा पर खतरनाक पोस्ट डालता था।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव इलाके में रील बनाते समय एक युवक की मौत हो गई। उसकी पहचान 18 साल के मो. जाकिर के रूप में हुई। 5 अप्रैल, रविवार को वह घर में कमरा बंद करके फांसी लगाने की रील बना रहा था। संतुलन बिगड़ने से वह फंदे पर झूल गया। परिजनों ने उसे बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया। आज, बुधवार सुबह अस्पताल में उसकी मौत हो गई। काफी देर तक कोई आहट न मिलने पर मां शहनाज बानो ने दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, परिजनों और पड़ोसियों को बुलाकर दरवाजा

मो. जाकिर मृतक

तोड़वाया। अंदर जाकिर फंदे से लटकता मिला। वह बेहोश था। परिजन उसे नीचे उतारकर अस्पताल ले गए। उसने एक पोस्ट में सरिया के बंडल में बंधे युवक को पानी पिलाते हुए वीडियो अपलोड किया है। उसके बैकग्राउंड में आवाज हा रही है कि वो इंसान कभी हार नहीं मान सकता जिसको उम्मीद अल्लाह से हो। इस पोस्ट को 26 सौ से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है। बायो में लिखा है- आई लव मॉय फैमली, प्राउड टू बी मुस्लिम, ब्लैक लवर, म्यूजिक लवर, लैंडिंग ऑन अर्थ 17 सितंबर। उसने मात्र 11 पोस्ट किए हैं। उसके 1,718 फॉलोअर्स हैं।

> परिजनों के मुताबिक, 5 अप्रैल की सुबह करीब 11 बजे जाकिर की मां शहनाज खाना बना रही थी। परिवार के अन्य सदस्य अपने-अपने काम पर गए थे। इसी दौरान जाकिर कमरे में गया। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद किया। फांसी का फंदा लगाकर रील बनाने लगा। इसी दौरान पैर फिसलने से वह फंदे पर लटक गया।

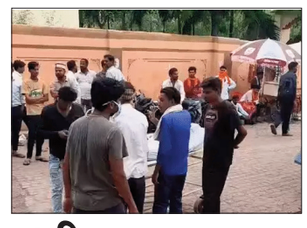

3 दिन चला इलाज, नहीं बच सकी जान

गंभीर हालत में उसे बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा था। बुधवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के पिता मो. रफीक कबाड़ का काम करते हैं।

जाकिर ने आठवीं तक पढ़ाई के बाद स्कूल छोड़ दिया था। 4 भाइयों में वह तीसरे नंबर पर था। सबसे बड़ा जहांगीर सिद्दीकी, फिर जबीर और सबसे छोटा जमील है। जाकिर ने इंस्टाग्राम पर ऑफिसियल जाकिर सिड के नाम से अकाउंट बनाया था।

मदरसों और विभागीय योजनाओं को लेकर मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने की समीक्षा बैठक

शिक्षा व्यवस्था एवं विभिन्न सेवा आयोग को प्रेषित अध्याचनों पर गहन चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। माननीय पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण, वक्फ एवं हज मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर तथा राज्य मंत्री (अल्पसंख्यक कल्याण, वक्फ एवं हज) श्री दानिश आजाद अंसारी की अध्यक्षता में विधानसभा कक्ष, कार्यालय में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मदरसों की शिक्षा व्यवस्था, विभिन्न आयोगों/बोर्डों में रिक्त पदों पर नियुक्ति तथा शैक्षिक सत्र 2026-27 हेतु छात्रवृत्ति योजनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। मंत्री श्री राजभर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (PMJVK) के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। निर्माणाधीन 92 परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से

गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए गए। विभागीय योजनाओं का अधिक से अधिक स्थलीय निरीक्षण के निर्देश दिए गए। बैठक में विभागीय अधिकारियों के विरुद्ध लंबित एवं अनिस्तारित मामलों की समीक्षा, वक्फ नियमावली एवं उत्तर प्रदेश मदरसा अरबी-फारसी मान्यता/प्रशासनिक सेवा नियमावली, 2016 में प्रस्तावित संशोधनों पर भी चर्चा की गई। मंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा प्रगति से समय-समय पर अवगत कराया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव श्रीमती संयुक्ता समादार, विशेष सचिव, संयुक्त सचिव, वित्त एवं लेखा अधिकारी, संयुक्त निदेशक, उपनिदेशक तथा रजिस्ट्रार, मदरसा शिक्षा परिषद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यवाई : एक और 'मिनी जामताड़ा' का भंड़ाफोड़, 17 गाड़ियों से 70 पुलिसवाले पहुंचे

20 साइबर ठगों को दौड़ाकर पकड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। यूपी में एक और 'मिनी जामताड़ा' का भंड़ाफोड़ हुआ है। कानपुर पुलिस 17 गाड़ियों के साथ फिल्मी स्टाइल में पहुंची। ड्रोन से रेकी करते हुए पूरे इलाके को चारो ओर से घेर लिया। फिर खेतों में बनीं झोपड़ियों में से 20 साइबर ठगों को अरेस्ट किया। इन झोपड़ियों से ही ये लोग ठगी का धंधा चलाते थे। पुलिस के अनुसार, साइबर ठग देशभर में लोगों को कभी पुलिस अधिकारी बनकर तो कभी आवास योजना या बैंक लोन के नाम पर झांसा देते थे। पकड़े गए सभी ठग 5वीं, 8वीं या 11वीं पास हैं। मंगलवार शाम पुलिस की यह कार्रवाई घाटमपुर के रेउना क्षेत्र में की गई। ऑपरेशन को एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके ने लीड किया। पुलिस रिपोर्ट मिलने के बाद मंगलवार शाम को 17 गाड़ियों से 70 पुलिसवाले पहुंचे। रेउना को चारो ओर से घेर लिया। ड्रोन से

साइबर ठगी के आरोप में इन लोगों को पुलिस ने अरेस्ट किया है।

चप्पे-चप्पे की निगरानी करते हुए कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस के अचानक पहुंचने पर गांव में हड़कंप मच गया। टीम ने 20 साइबर ठगों को अरेस्ट कर लिया। झोपड़ियों से लैपटॉप, मोबाइल, सैकड़ों एक्टिव सिम कार्ड व अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस भी जब्त किए गए हैं। एडीसीपी सुमित रामटेके के अनुसार, साइबर ठगी करने वाला एक युवक रोजाना 50-60 कॉल करता था। इससे 5-6 लोग तो एक व्यक्ति के झांसे में आ ही जाता था। साइबर ठग रोजाना लाखों रुपए की कमाई करते थे।

छापेमारी के पहले गांव में सिविल ड्रेस में पहुंचे अफसर

एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके के अनुसार, कानपुर का रेउना क्षेत्र साइबर ठगी के धंधे का हॉटस्पाट बन रहा था। इस क्षेत्र से पूरे देश में साइबर ठगी की जा रही थी। पुलिस के प्रतिविंब पोर्टल पर कानपुर रेउना थाना क्षेत्र का रठिगांव, लक्ष्मणपुर, समाज नगर, बड़ेला और आदिगांव में साइबर ठगी के हॉट स्पॉट के रूप में हाईलाइट हो रहा था। उन्होंने बताया- पुलिस अफसरों ने पहले सिविल ड्रेस में पहुंच कर पूरे इलाके का जायजा लिया। वहां देखा गांव के खेतों-बगीचों में झोपड़ियां बनी हुई हैं।

> राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सूचना निदेशक शिशिर ने सूचना निदेशालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सभी पत्रकार बंधुओं को प्रेस दिवस की शुभकामनाएं और बधाई दी।

पृष्ठ 01 का शेष...

तेहरान के पास...

ट्रम्प ने बताया कि यह फैसला पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया। 8 अप्रैल की सुबह। जंग के 40वें दिन सीजफायर का ऐलान करते हुए ट्रम्प ने लिखा- पाकिस्तान के PM शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के बाद मैं ईरान पर 2 हफ्ते के लिए हमले रोकने को तैयार हूं। कुछ मिनट बाद ईरान के विदेश मंत्री अरागची ने भी पाकिस्तान की कोशिशों के लिए पीएम और फील्ड मार्शल का आभार जताया। पाकिस्तान ने अमेरिका-ईरान के बीच सीजफायर कैसे करवाया, उसे ही मध्यस्थ क्यों चुना गया और इससे भारत पर क्या असर पड़ेगा। यूरोपीय यूनियन (EU) की विदेश नीति प्रमुख काजा कलास ने कहा कि ईरान जंग में सीजफायर से दुनिया खतरनाक हालात से एक कदम पीछे हट गई। इससे थोड़ी राहत मिली है और अब मिसाइल हमले रुक सकते हैं, समुद्री व्यापार फिर शुरू हो सकता है और बातचीत के लिए माहौल बन सकता है। उन्होंने पाकिस्तानी डिप्टी पीएम इशाक डार से हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि समझौते का रास्ता खुला रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि असली समस्याएं अभी भी पूरी तरह हल नहीं हुई हैं। अमेरिका-ईरान जंग में 2 हफ्ते के सीजफायर के ऐलान के बाद क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) 15% सस्ता हुआ है। बुधवार को दाम करीब 15 डॉलर गिरकर 94.27 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह करीब 6 साल में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। एक दिन पहले क्रूड ऑयल की कीमत 109.27 डॉलर प्रति बैरल थी। 28 फरवरी को जंग शुरू होने से पहले कच्चा तेल 73 डॉलर प्रति बैरल था। जंग के दौरान दाम बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गए थे। तब से पेट्रोल-डीजल के रेट बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, तेल सस्ता होने से अब यह आशंकाएं खत्म हो गई हैं।

ईरान से 7 साल...

यह छूट 19 अप्रैल तक लागू है। मंत्रालय के मुताबिक, मिडिल ईस्ट में सप्लाई बाधित होने के बीच भारतीय रिफाइनरों ने 40 से ज्यादा देशों से कच्चा तेल खरीदा है और पेमेंट की कोई दिक्कत नहीं है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बाद तेल की कीमतों में भारी उछाल आया था। इससे कई देशों पर असर पड़ा। साथ ही भारतीय तेल कंपनियों को भी नुकसान हुआ था। लेकिन अब ईरान से सस्ता तेल मिलने से भारतीय ऑयल कंपनियों को राहत मिल सकती है। अमेरिका की ओर से दी गई 30 दिन की छूट पूरी तरह प्रतिबंध हटाने जैसी नहीं है। यह सीमित और कंट्रोल्ड व्यवस्था है। अमेरिका ने 2018 से ईरान के तेल पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं, जिनके तहत कोई भी देश सीधे ईरान से तेल खरीदता है तो उस पर सेकेंडरी सैंक्शन लग सकते हैं। यानी उस देश की कंपनियों पर भी अमेरिकी कार्रवाई हो सकती है। यह छूट पूरी तरह खुली नहीं है। इसमें नए बड़े कॉन्ट्रैक्ट की इजाजत नहीं होती। बल्कि पहले से समुद्र में मौजूद ईरानी तेल को खरीदने की अनुमति मिलती है। इसका मतलब है कि देश सीधे ईरान के साथ नया दीर्घकालिक सौदा नहीं कर सकते। वे केवल सीमित मात्रा में उपलब्ध तेल ही खरीद सकते हैं। पेमेंट सिस्टम इस छूट में अहम भूमिका निभाता है। आमतौर पर डॉलर ट्रांजैक्शन या अमेरिकी बैंकिंग सिस्टम से दूरी रखी जाती है, ताकि प्रतिबंधों का उल्लंघन न हो। पहले भारत ने रुपया-रियाल जैसे वैकल्पिक सिस्टम का इस्तेमाल किया था, जिससे भुगतान बिना अमेरिकी दखल के हो सके। ऐसी छूट पहले भी दी गई थी। 2018 में प्रतिबंधों के बाद भारत को कुछ समय के लिए राहत मिली थी, लेकिन बाद में अमेरिका ने इसे खत्म कर दिया, जिसके बाद भारत को ईरान से तेल आयात पूरी तरह रोकना पड़ा। अभी दी गई छूट 19 अप्रैल तक सीमित है, यानी यह साफ संकेत है कि अमेरिका फिलहाल केवल अस्थायी राहत देना चाहता है, स्थायी नीति बदलाव नहीं कर रहा। भारत के लिए इसका मतलब यह है कि वह कुछ समय के लिए सस्ता ईरानी तेल खरीदकर लागत घटा सकता है, लेकिन लंबे समय की सप्लाई रणनीति अभी भी अनिश्चित बनी रहेगी।

'जो भक्त नहीं...

उन्होंने कहा कि जो चीज नगालैंड के किसी समुदाय के लिए धार्मिक हो सकती है, वही मेरे लिए अंधविश्वास लग सकती है। हमारा समाज विविधतापूर्ण है, यहां अलग-अलग लोग, धर्म और मान्यताएं हैं। ऐसे में अदालत के लिए ऐसा फैसला खतरनाक हो सकता है। जस्टिस अमानुल्लाह ने इस पर कहा, मिस्टर मेहता, आपने बात को बहुत आसान बना दिया है। अदालत के पास न्यायिक समीक्षा का अधिकार है कि वह यह तय कर सके कि अंधविश्वास क्या है। उसके बाद उस पर कानून बनाना या कार्रवाई करना विधान-मंडल (संसद-विधानसभा) का काम हो सकता है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि अंतिम फैसला सिर्फ विधायिका ही करेगी। धर्म के मामलों में तर्क उसी तरह लागू नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला महिलाओं के अधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता के संतुलन से जुड़ा है। कोर्ट ने सती प्रथा, जादू-टोना और नरभक्षी के उदाहरण दिए और कहा कि अगर कोई प्रथा समाज को झकझोरती है, तो अदालत हस्तक्षेप कर सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि अदालत को यह देखना होगा कि कोई प्रथा उस धर्म के लिए जरूरी है या नहीं।

स्कूल बस पलटी, बच्चे चिल्ला-चिलाकर रोए

बच्चे बोले- ड्राइवर अंकल मोबाइल देख रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में 35 स्कूली बच्चों से भरी स्कूली बस बुधवार सुबह साढ़े सात बजे सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे में 10 से अधिक बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग दौड़कर पहुंचे। शीशे तोड़कर बच्चों को बाहर निकाला। कई बच्चे सीटों के बीच फंसे हुए थे। घायल बच्चों को बाइक और एंबुलेंस से एसडीएस ग्लोबल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, ज्यादातर बच्चों को हल्की चोटें आई हैं। बस सेंट मैरी एकेडमी की थी। हादसा काली नदी के पास सड़क पर हुआ। बस में बच्चों के बैग और किताबें बिखरी नजर आईं। हादसे के बाद बच्चे घबरा गए। जोर-जोर से रोने लगे। आसपास के लोगों ने बच्चों को किसी तरह शांत कराया। परिजनों को सूचना दी। कई अभिभावक अस्पताल और स्कूल पहुंच

गए। प्रिंसिपल ऑफिस का घेराव किया और नारेबाजी की। पुलिस का कहना है कि हादसे के बाद ड्राइवर भाग गया है। जल्द ही उसके पकड़ा जाएगा। क्रेन बुलाकर बस को खाई से निकलवाया गया। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। ड्राइवर अंकल मोबाइल देख रहे थे, तभी बस पलट गई। कई बच्चों को चोट लगी है। बस पलटते ही शीशे टूट गए। मैं किसी तरह बाहर निकल पाया। आसपास के लोगों ने बच्चों को शांत कराने की कोशिश की, तो वे और तेज रोने लगे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676